● जयपुर, सोमवार, 4 नवंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 77 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जयपुर स्वच्छता में देश के टॉप तीन शहरों में आये : दिया कुमारी...

पेज @4 खरगे ने कहा- 140 करोड़ भारतीयों पर ये एक क्रूर मजाक...

पेज @8 लंका विजय के अयोध्या के सरयू नदी में भगवान राम ने माता सीता ...

न्यूज अपडेट

झारखंड विधानसभा चुनावः बीजेपी ने जारी किया मेनिफेस्टो

रांची/एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपना मेनिफेस्टो जारी कर दिया है। भाजपा ने अपने मेनिफेस्टो को 'सकल्प पत्र' नाम दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड के लिए 'संकल्प पत्र' जारी किया है। इस दौरान असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, संजय सेठ, बीजेपी झारखंड अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में जलकर खाक हुआ 40 साल पुराना शोरूम

भरतपुर/एजेंसी। कोतवाली थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन बजरिया कॉलोनी में एक कपड़े के दो मंजिला शोरूम में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई, जिससे शोरूम में रखा सारा माल जलकर स्वाह हो गया। घटना की सूचना मिलने पर एक दर्जन से अधिक दमकल गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन आग इतनी तेज थी कि शोरूम का सारा सामान राख में तब्दील हो गया। शोरूम मालिक रवि कुमार गोयल को करोड़ों रुपये के नुकसान ने गहरे सदमे में डाल दिया है। उनके परिजनों का कहना है कि शोरूम 40 साल पुराना था, जिसे उनके परिवार ने बड़ी मेहनत से खड़ा किया था। घटना के वक्त सभी परिवारजन गोवर्धन पूजा के बाद शोरूम के ऊपर बने मकान में सो रहे थे।

छठ से पहले बड़ा हादसा, गंगा नदी में पलटी नाव; कई लोगों की मौत की खबर

कटिहार/एजेंसी। बिहार के कटिहार में छठ पूजा से पहले रविवार को एक हादसा हो गया। यहां मनिहारी प्रखंड के केवला घाट के पास एक नाव पलट गई। इस हादसे में कई लोगों की मौत की खबर है, जबकि सात किसान लापता बताए जा रहे हैं। कटिहार के केवाला घाट में कुछ किसान रविवार सुबह नाव में सवार होकर हटकोला के दियारा में खेती करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नाव अचानक नदी में पलट गई।

सूत्रों के मुताबिक, नाव में 11 किसान सवार थे, इनमें से सात किसान लापता बताए जा रहे हैं। इसके अलावा इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई।वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है। फिलहाल लापता लोगों की तलाश जारी है। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक मृतकों की संख्या नहीं बताई गई है।

इससे पहले सितंबर में बिहार के औरंगाबाद जिले में एक हादसा हुआ था। यहां जितिया पर्व पर दो अलग-अलग घटनाओं में तालाब में डूबने से 8 बच्चों की मौत हो गई थी। मृतकों में सात लड़कियां थी, जिनकी उम्र 9 से 13 वर्ष के बीच थी।

देश में हर हाल में लागू होगी यूसीसी, आदिवासी इसके दायरे से रहेंगे बाहर : अमित शाह

रांची/एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को रांची में कहा कि पूरे देश में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) हर हाल में लागू होगी, लेकिन आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा।

अमित शाह ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर केंद्र की सरकार की योजनाओं को लटकाने और राज्य में पूर्व की भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने का आरोप लगाया।

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, झारखंड का ये चुनाव न केवल सरकार बदलने का चुनाव है, बल्कि झारखंड का भविष्य सुरक्षित करने का चुनाव है। झारखंड की महान जनता को तय करना है कि भ्रष्टाचार में डूबी हुई सरकार चाहिए या विकास के रास्ते पर चलती हुई पीएम मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार चाहिए। घुसपैठ कराकर झारखंड की अस्मिता को खतरे में डालने वाली सरकार चाहिए या परिंदा भी पर न मार सके ऐसी सरहद की सुरक्षा करने वाली बीजेपी सरकार चाहिए। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। घुसपैठियों को नहीं रोका गया तो राज्य की संस्कृति, रोजगार और अस्मिता पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। केंद्र सरकार राज्य

में एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें डिपोर्ट करेगी। हेमंत सोरेन को घुसपैठियों में अपना वोट बैंक दिखाई देता है। घुसपैठियों की वजह से आदिवासियों की संख्या घट रही है, डेमोग्राफी बदल रही है और हेमंत सोरेन की सरकार अपनी धुन में मस्त है। मैं आपसे वादा करता हूं कि बीजेपी सरकार आएगी, तो घुसपैठियों को झारखंड से बाहर निकालेगी। अमित शाह ने कहा, असम में बीजेपी सरकार आई और आज असम में घुसपैठ बंद हो गई है। हम रोटी, बेटी और माटी तीनों का संरक्षण करेंगे। शाह ने कहा कि झारखंड अलग राज्य अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया था और इसे संवारने का काम नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार ने किया, लेकिन पांच साल पहले जब हेमंत सोरेन की सरकार आई तो उसने डबल इंजन सरकार के वक्त शुरू हुई तमाम विकास योजनाओं को ठप कर दिया। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से केंद्र के पास एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया के भुगतान का मुद्दा उठाने पर अमित शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन बचकानी बात कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने इस राज्य को साढ़े चार लाख करोड़ रुपए दिए, लेकिन वह इनका उपयोग नहीं कर पाए। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप लगाते हुए कहा, आपने कहा था कि युवाओं को नौकरी देंगे, लेकिन आपने क्या किया, आपके पास जवाब नहीं है। इस सरकार में पेपर लीक सबसे ज्यादा हुए हैं। अगर पेपर लीक हमारी सरकार में हुआ तो उल्टा लटका कर इन माफियाओं को सीधा करेंगे।

अमित शाह ने कांग्रेस को पिछड़ा विरोधी बताते हुए कहा कि इनकी सरकारों ने कभी इस वर्ग को उसके वाजिब अधिकार नहीं दिए। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता दी और 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया।

10 दिन में इस्तीफा नहीं दिया तो...',

सीएम योगी को मिली जान से मारने की धमकी- प्रशासन में मचा हड़कंप

मुंबई/एजेंसी।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई पुलिस को एक धमकी भरे मैसेज में कहा गया है कि अगर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 दिनों में इस्तीफा नहीं देते तो उन्हें एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की तरह ही मार दिया जाएगा।

मुंबई पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल सेल को एक अज्ञात नंबर से यह संदेश मिला। पुलिस ने कहा कि धमकी भरा संदेश किसने भेजा, इसका पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इस धमकी के बारे में जानकारी यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ की सुरक्षा टीम को दे दी गई है और सुरक्षा को कड़ी कर दिया गया है।

एनसीपी (अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की कुछ दिन पहले गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। विजयादशमी के दिन हुई इस घटना ने सभी को सकते में डाल दिया था। बाबा को बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर मारा गया था।

बाबा सिद्दीकी की तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या की थी, जब चारों और पटाखे फोडऩे की आवाज गूंज रही थी। बाबा की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। गैंग ने मैसेज में कहा था कि सलमान और दाउद इब्राहिम से जो भी जुड़ा होगा हम उसे नहीं छोड़ेंगे, उसका हिसाब किताब होगा।

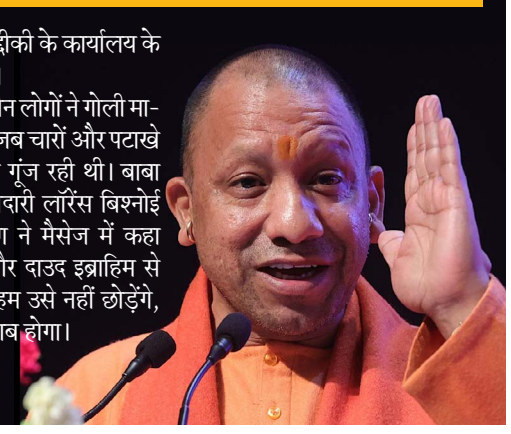

पीएम मोदी 8 से 14 नवंबर तक महाराष्ट्र में करेंगे 11 रैलियां

मुंबई/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर 8 से 14 नवंबर राज्य में पार्टी के प्रचार के लिए कई रैलियां करेंगे। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी राज्य में 8 से 14 नवंबर के बीच करीब 11 रैलियों को संबोधित करेंगे।

महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि पीएम मोदी के 8 नवंबर को धुले और नासिक, 9 नवंबर को अकोला और नांदेड़, 12 नवंबर को चंद्रपुर, चिमूर, सोलापुर व पुणे और 14 नवंबर को संभाजीनगर, नवी मुंबई और मुंबई में चुनावी सभाओं को संबोधित करने की उम्मीद है।

इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह भी राज्य में चुनाव से पहले करीब 20 रैलियों को संबोधित करेंगे। साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगभग 22 और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के लगभग 13 रैलियों को संबोधित करेंगे।

इन सब के साथ महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष बावनकुले भी राज्य में पार्टी को बहुमत दिलाने के लिए प्रचार-प्रसार में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

इसके अलावा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी राज्य में धुआंधार रैलियां करेंगे। बताया जा रहा है कि भाजपा नेताओं की इन रैलियों में महायुति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। भाजपा के एक नेता ने कहा, हम सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को उजागर करेंगे, जिसमें लाडली बहना योजना, 44 लाख किसानों के लिए बिजली माफी और जनता को व्यक्तिगत रूप से लाभ पहुंचाने वाली 58 पहल शामिल हैं। महायुति गठबंधन का लक्ष्य महाराष्ट्र के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है। राज्य में फिर से डबल इंजन वाली सरकार बनेगी। बता दें कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार गुट) और कांग्रेस शामिल हैं, दोनों ने 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

महाराष्ट्र : नंदुरबार में तेज रफ्तार कार ने तीन बाइक सवारों को टक्कर मारी, पांच लोगों की मौत

नंदुरबार/एजेंसी। महाराष्ट्र के नंदुरबार तहसील के पिंपलोद गांव के पास तेज रफ्तार बोलेरो कार ने सड×क किनारे खड़े तीन बाइक सवारों टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि कार चालक को नींद आ गई होगी, गाड़ी का ब्रेक फेल हुआ होगा या फिर ड्राइवर नशे में होगा, तभी वाहन के अनियंत्रित हो जाने के कारण ये हादसा हो गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह हादसा 2 नवंबर को रात करीब 8 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, कार चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि नंदुरबार से धनोरा रोड पर पिंपलोद गांव से एक किमी दूर एक बाइक खराब हो गई थी। अंधेरा होने की वजह से बाइक सवार की सहायता के लिए दो और बाइकें मौके पर रुक गईं। इसी बीच नंदुरबार से धनोरा की ओर तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो ने रोड के किनारे बाइक के साथ लोगों को जोरदार टक्कर मार दी।

भारत ने चीन सीमा पर मजबूत की पकड़, बनाई देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत ने चीन सीमा पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए लद्दाख में देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी का निर्माण किया है। यह एयरफील्ड पूर्वी लद्दाख के मुढ़-न्योमा क्षेत्र में स्थित है और यह चीन की सीमा के काफी करीब है। इस नए एयरफील्ड के बनने से भारतीय सेना को सीमा पर तेजी से मूवमेंट करने में आसानी होगी और साथ ही यह क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। यह एयरफील्ड

करीब 13,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और इसमें तीन किलोमीटर लंबा रनवे है। यह एयरफील्ड चार साल पहले गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच हुए तनाव के बाद से भारतीय सेना की प्राथमिकता रही है। इस तनाव के बाद से भारत ने लद्दाख में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है।

छठ पूजा पर घर लौटे यात्रियों ने जताया संतोष, कहा- 'रेलवे ने अच्छी व्यवस्था की है'

पटना/एजेंसी। देश के विभिन्न शहरों से आस्था का महापर्व छठ पूजा मनाने के लिए यूपी-बिहार के लोग अपने घर लौटने लगे हैं और उन्होंने रेलवे की व्यवस्था को लेकर संतोष व्यक्त किया है। छठ पूजा को लेकर रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। हालांकि, यात्रियों की मंगलमय यात्रा के लिए रेलवे ने भी कमर कस ली है। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। 7000 से ज्यादा छठ पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं। जिससे किसी भी यात्री को घर जाने के दौरान परेशानी न हो।

बता दें कि गत वर्ष स्पेशल ट्रेनों की संख्या 3500 थी। लेकिन इस बार स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई गई है। रेलवे की व्यवस्था से यात्री खुश नजर आ रहे हैं। यात्री धनंजय गुप्ता ने रेल यात्रा के दौरान रेलवे की व्यवस्था के बारे में बताया कि वह नई दिल्ली से सफर कर पटना पहुंचे हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेलवे की ओर से अच्छी व्यवस्था की गई थी। 10 साल पहले जो भगदड़ होती थी, वह अब देखने को नहीं मिली। मोदी सरकार अच्छा काम कर रही है। मैं हर साल त्योहार पर आता हूं। पहले काफी समस्या होती थी। लेकिन, अब काफी सहूलियत मिल रही है। इस साल 7,000 से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाई गई है। अगले साल उम्मीद है कि सरकार 15 हजार ट्रेनें चलाएगी। हालांकि, स्पेशल ट्रेनों में किराया थोड़ा ज्यादा है। हमें उम्मीद है कि स्पेशल ट्रेनों में केंद्र सरकार किराया भी कम करेगी। यात्री राज आर्यन ने बताया कि मैं नई दिल्ली से यात्रा कर पटना आया हूं और मुझे मुजफ्फरपुर तक जाना है। यहां से मैं बस से आगे का सफर तय करूंगा। ट्रेन में रेलवे की ओर से अच्छी व्यवस्था की गई थी। रेलवे इसी तरह काम करती रहेगी तो ट्रेनों में होने वाली समस्या कम हो जाएंगी। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा गया है। स्टेशनों पर रेलवे कर्मचारियों ने भीड़ को अच्छे से नियंत्रित किया है।

15 हजार से अधिक श्रद्धालु साक्षी बने

श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

श्री केदारनाथ धाम।

विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट रविवार को भैया दूज के पावन पर्व पर प्रातः 08:30 बजे शीतकाल के लिए बंद हो गए। ऊं नम् शिवाय, जय बाबा केदार के जय घोष तथा भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच वैदिक विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के साथ कपाट बंद किए गए। श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय समेत 15 हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। मंदिर को दीपावली के दिन से ही भव्य रूप से फूलों से

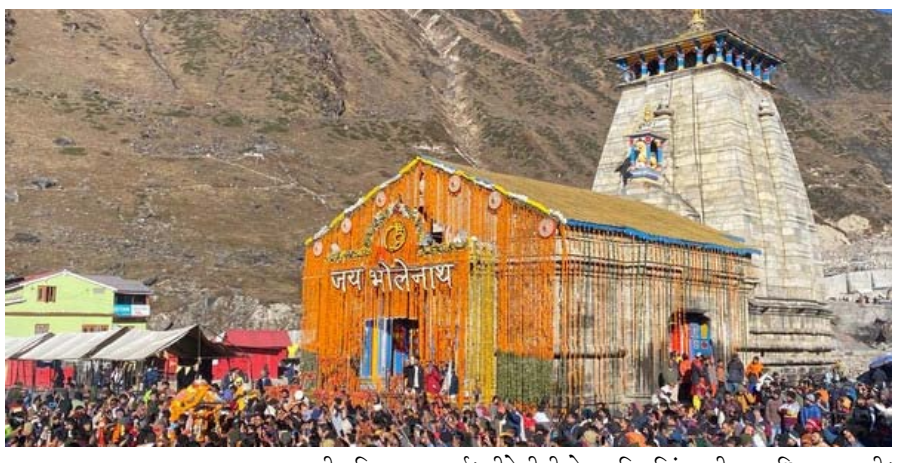

सजाया गया था।

श्री अजय की उपस्थिति में रविवार प्रातः पांच बजे कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। बीकेटीसी के आचार्य, वेदपाठियों, पुजारीगणों ने भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग की समाधि पूजा की। स्वयंभू शिवलिंग को भस्म, स्थानीय पुष्पों बेल पत्र आदि से समाधि रूप दिया गया। प्रातः 08:30 बजे बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली को मंदिर से बाहर लाया गया इसके बाद श्री केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के साथ ही बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली ने अपने पहले पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान किया। हजारों श्रद्धालु बाबा की पंचमुखी डोली के साथ पैदल ही रवाना हुए। श्रद्धालुओं के लिए जगह झ जगह भंडारे आयोजित किये गये थे। आज केदारनाथ में मौसम साफ रहा। आस-पास बर्फ होने से सर्द बयारें भी चलती रही लेकिन श्रद्धालुओं में भारी उत्साह रहा। कपाट बंद होने के अवसर पर श्री अजय ने कहा कि इस यात्राकाल में रिकार्ड साढ़े 16 लाख से अधिक तीर्थ यात्री श्री केदारनाथ धाम पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से आज भव्य और दिव्य केदारपुरी का पुनर्निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी के मार्गदर्शन में केदारनाथ धाम यात्रा का सफल संचालन हुआ। उन्होंने सफल यात्रा संचालन के लिए बीकेटीसी के कार्मिकों, पुलिस झ प्रशासन, यात्रा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विभागों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) आदि का आभार जताया।

इजराइल : इस कद्र बेलगाम!

फिलिस्तीन से लेकर लेबनान तक इजराईली सैन्य आतंक निरंतर अपना कहर बरपा कर रहा है। अपने हथियारों और ताकत के नशे में चूर अमेरिका संरक्षित इजराईली प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू युद्धोन्माद में इतने अंधे हो चुके हैं कि उन्होंने न केवल युद्ध के सभी नियमों,नीतियों व सिद्धांतों को किनारे रख दिया है बल्कि वे दुनिया के उन देशों की भी परवाह नहीं कर रहे जो वर्तमान युद्ध में समय समय पर इसाईल को आइना दिखाने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि नेतन्याहू किसी सलाह देने वाले देश या उसके नेता को भी बड़ी आसानी से अपने दुश्मनों की लाइन में खड़ा कर देते हैं। यहाँ तक कि किसी अंतर्राष्ट्रीय संस्था या संगठन की आलोचना या सलाह की भी परवाह नहीं करते। और नेतन्याहू के इसी ज़िद्दी स्वभाव ने हालात अब यहाँ तक पहुंचा दिए हैं कि अब इजराईली सेना यानी आईडीएफ भी अब नेतन्याहू की मानवता विरोधी युद्ध नीति से ऊब चुकी है और गाज़ा व लेबनान में और अधिक खून की होली खेलने के बजाये इन दोनों ही जगहों पर अब युद्ध विराम करने के लिये प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू पर दबाव बनाना शुरू कर चुकी है। गौर तलब है कि गाज़ा व लेबनान में भारी नरसंहार का कलंक झेल रही आईडीएफ पहले भी युद्ध से बाहर निकलने व युद्ध विराम करने की पक्षधर रही है परन्तु हर बार प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के युद्धोन्माद व उनकी ज़िद व प्रतिशोधात्मक रवैय्ये के चलते अब तक युद्ध विराम संभव नहीं हो सका है।

गौर तलब है कि वर्तमान इज़राईल–हमास युद्ध गत वर्ष यानी 7 अक्टूबर 2023 को उस समय शुरू हुआ था जब हमास के लड़ाकों ने इज़राईली नागरिक समुदायों और कई इज़राईली सैन्य ठिकानों पर अचानक एक बड़ा हमला कर दिया। इस हमले के दौरान 1,195 इज़रायली और विदेशियों को गाज़ा में बंदी बना लिया गया। इसके अलावा, 251 इज़रायली और विदेशियों को गाज़ा में बंदी बना लिया गया। हमास इस हमले से इज़राईल पर यह दबाव बनाना चाहता था कि इज़रायल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी क़ैदियों व बंदियों को रिहा कराया जा सके। इज़राईल पर हमास द्वारा किया गया यह हमला फिलिस्तीन पर इज़रायल के निरंतर कब्ज़े, गज़ा की नाकेबंदी, इज़राईली बस्तियों के अनाधिकृत विस्तार, इज़रायल द्वारा लगातार की जा रही अंतरराष्ट्रीय क़ानून के अवहेलना, साथ ही अल-अक्सा मस्जिद और फिलिस्तीनियों की सामान्य दुर्दशा के जवाब में था। परन्तु इज़राईल ने 7 अक्टूबर 2023 के हमास के हमलों के जवाब में 27 अक्टूबर से हमास पर पहले हवाई फिर ज़मीनी हमले करना शुरू कर दिया। इस इज़राईली सैन्य कार्रवाई का मक़सद हमास का सफ़ाया करने के साथ साथ इज़राईली बंधकों की मुक्त कराना भी था। परन्तु 13 महीने से इज़राईल द्वारा किये जा रहे अब तक के सबसे बड़े नरसंहार के बावजूद इज़राईल अभी तक अपने दोनों में से किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर सका है। न ही हमास का ख़ात्मा हो सका न ही 251 में से शेष बचे 101 बंधकों को हमास के चंगुल से रिहा कराया जा सका। जबकि युद्धोन्माद में डूबे प्रधानमंत्री नेतन्याहू के इशारों पर की जा रही विनाशकारी बमबारी में अब तक गज़ा में 40,000 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिन में अधिकांश महिलाएं व बच्चे हैं। लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। इसके अलावा इज़रायल की कड़ी नाकाबंदी ने गज़ा में जारी बुनियादी ज़रूरी सामग्री की आपूर्ति चेन को भी काट दिया है। हद तो यह है कि इसराइली सेना ने गज़ा के बुनियादी ढांचों पर हमले कर वहां की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली सहित सभी आवश्यक सेवाओं को भी नष्ट कर दिया है। स्कूल,शरणार्थी शिविर,मीडिया,अस्पताल,बाज़ार यहाँ तक कि युद्ध प्रभावित लोगों की सहायता पहुँचाने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लोगों को भी आई डी एफ द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। अर्थात इज़राईल द्वारा हमास के ख़ात्मे और उसके कब्ज़े में मौजूद बंधकों की रिहाई के नाम पर हर वह अत्याचार किया जा रहा है जोकि अंतर्राष्ट्रीय युद्ध मानकों का सरासर उल्लंघन है। और जब कोई इज़राईल या अमेरिका का सहयोगी देश नेतन्याहू को आईना दिखने की कोशिश करता है तो नेतन्याहू उसे अपमानित करने या खरी खोटी सुनाने में भी देर नहीं लगाते। उदाहरण के तौर पर फ़्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने गज़ा में इज़राईल द्वारा किये जा रहे जनसंहार से ऊब कर जब गत 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इज़राईल पर किए गए हमले की पहली वर्षगांठ से पूर्व यह कहा है कि –"युद्धरत पक्षों के बीच राजनीतिक समाधान' तक पहुंचने के लिए इज़रायल को हथियार देना बंद करना ज़रूरी है। उन्होंने जब यह कहा कि –रमुझे लगता है कि आज प्राथमिकता यह है कि हम एक राजनीतिक समाधान पर लौटें। हम गाज़ा में लड़ने के लिए हथियार देना बंद करें।' तो नेतन्याहू को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन की यह सलाह इतनी नागवार गुज़री कि वे मैक्रोन से ख़फ़ा हो गए। और उन्होंने मैक्रोन को उल्टी सीधी सुना डाली। नेतन्याहू ने मैक्रोन के बयान को अपमानजनक बताते हुये कहा कि– राष्ट्रपति मैक्रोन और अन्य पश्चिमी नेता अब इज़राईल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध लगाने का आह्वान कर रहे हैं। उन पर शर्म आनी चाहिए। यहूदी राष्ट्र उनके समर्थन के साथ या बिना जंग जीतेगा। युद्ध जीतने के बाद उनकी शर्मिंदगी लंबे समय तक जारी रहेगी। यही नहीं बल्कि इज़राईली मीडिया ने अपने एक कार्टून में राष्ट्रपति मैक्रोन को हसन नसरुल्लाह का अगला उत्तराधिकारी तक बता दिया।

इसी तरह कभी संयुक्त राष्ट्र संघ की शीर्ष अदालत, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय इज़राइल को लेकर यह कहती है कि फ़िलिस्तीनी कब्ज़े वाले क्षेत्रों में इज़राइल की मौजूदगी ग़ैर क़ानूनी है। इसे जितनी जल्दी हो सके समाप्त किया जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय कहता है कि "इज़राइल द्वारा पश्चिमी तट और यरुशलम में बसने वालों का स्थानांतरण तथा इज़राइल द्वारा उनकी उपस्थिति बनाए रखना, चौथी जिनेवा संधि के अनुच्छेद 49 के विपरीत है।'' इतना ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय अदालत इस बात के लिये भी "गंभीर रूप से चिंतित है कि इज़राइल द्वारा इस क्षेत्र में अपनी नई बस्ती बसाने की नीति का विस्तार किया जा रहा है। इसी अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दक्षिण अफ़्रीका ने यह दावा भी किया है कि गाज़ा में इज़राइल का अभियान 'नरसंहार' के बराबर है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र संघ भी इज़राइल के युद्ध अभियान की आलोचना कर चुका है। परन्तु हमास सहित अपने सभी प्रतिद्वंदियों को आतंकवाद की धुरी बताकर प्रतिशोध की आग में जलता इज़राइल अपने हथियारों व अमेरिकी सरपरस्ती के बल पर आखिर ख़ुद कितना आतंक फैला रहा है? पूरा विश्व इस बात को लेकर आश्चर्यचकित है कि बड़े अंतराष्ट्रीय विरोध का सामना करने के बावजूद आखिर इस्राईल, इस क़द्र बेलगाम क्यों है?

राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए भाई परमानंद की हर पीढ़ी ने दिया बलिदान

रमेश शर्मा

भारत की स्वतंत्रता के लिये असंख्य बलिदान हुये। इनमें कुछ बलिदानी ऐसे भी हैं जिनकी पीढ़ियों ने राष्ट्र, संस्कृति और स्वत्व के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। भाई परमानंद ऐसे ही महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं, जिनकी हर पीढ़ी ने राष्ट्र रक्षा के लिये जीवन समर्पित किया। ऐसे सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी भाई परमानन्द का जन्म 4 नवम्बर 1876 को झेलम जिले के करियाला गांव में हुआ। यह क्षेत्र अब पाकिस्तान में है। राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिये भाई जी की हर पीढ़ी ने बलिदान दिया है। गुरु तेगबहादुर के साथ अपने प्राणों की आहुति देने वाले भाई मतिदास उनके पूर्वज थे। उनके परिवार की ऐसी कोई पीढ़ी नहीं जिसने इस राष्ट्र के लिये बलिदान न दिया हो। भाई सतिदास, भाई बालमुकुन्द जैसे बलिदानी भी इसी वंशवृक्ष के अंग थे। भाई परमानंद के पिता भाई ताराचंद ने अपनी किशोर वय में 1857 की क्रान्ति के संदेशवाहक के रूप में भूमिका निभाई थी। उस क्रान्ति की असफलता के बाद वे आर्य समाज से जुड़े और भारत के सांस्कृतिक गौरव जागरण में लग गये। राष्ट्र और संस्कृति के लिये समर्पित भाई परमानन्द जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने लिये दो भूमिकाएं निश्चित कीं। पहले आर्य समाज और वैदिक धर्म के अनन्य प्रचारक बने, वे एक आदर्श शिक्षक, इतिहास, संस्कृति और साहित्य मनीषी थे। साथ उन्होंने राष्ट्र और सांस्कृतिक जन जागरण के लिये युवकों की टोलियां तैयार कीं। सरदार भगत सिंह, सुखदेव, पं. रामप्रसाद 'बिस्मिल', करतार सिंह सराबा जैसे असंख्य राष्ट्रभक्त युवकों के वे उनसे प्रेरणा स्रोत थे। आपने हिंदी में भारत का इतिहास लिखा है। इतिहास–लेखन में आप राजाओं, युद्धों और केवल जीवनवृत्त विवरण को ही प्रधानता नहीं देते थे। वे भारत की परंपराओं और सांस्कृतिक गौरव से समाज को अवगत कराना चाहते थे। वे कहते थे कि इतिहास में मानवीय भावनाओं, इच्छाओं, आकांक्षाओं, संस्कृति गौरव एवं सभ्यता की गुणवत्ता को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए।

1902 में भाई परमानन्द ने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की और लाहौर के दयानंद एंग्लो महाविद्यालय में शिक्षक नियुक्त हो गये। भारत की प्राचीन संस्कृति तथा वैदिक धर्म में आपकी रुचि देखकर महात्मा हंसराज ने आपको भारतीय संस्कृति का प्रचार करने के लिए अक्टूबर 1905 में अफ्रीका भेजा। डरबन में भाईजी की गांधीजी से भेंट हुई। अफ्रीका में भाईजी प्रमुख क्रांतिकारियों सरदार अजीत सिंह, सूफी अंबाप्रसाद आदि के संपर्क में आए। इन क्रांतिकारी नेताओं से संबंध तथा क्रांतिकारी दल की कार्यवाही पुलिस की दृष्टि से छिप न सकी। अफ्रीका से भाई परमानंद जी लन्दन चले गए। वहां उन दिनों श्यामजी कृष्ण वर्मा तथा विनायक दामोदर सावरकर क्रान्तिकारी कार्यों में सक्रिय थे। भाई जी इन दोनों के सम्पर्क में आये। एक संकल्प लेकर 1907 में भारत लौटे। लौटकर दयानन्द वैदिक महाविद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ वे युवकों में राष्ट्र और सांस्कृतिक गौरव बोध जगाने के कार्य में जुट गये।

इसी बीच सरदार अजीत सिंह तथा लाला लाजपत राय से उनकी निकटता बढ़ी। इससे वे पुलिस की नजर में आ गये। 1910 में पुलिस ने उन्हे लाहौर से गिरफ्तार कर लिया किन्तु कोई आरोप प्रमाणित न हो सका और वे जमानत पर रिहा हो गये। रिहाई के बाद भाईजी अमरीका चले गये। वहां जाकर प्रवासी भारतीयों के बीच वैदिक धर्म के प्रचार अभियान में जुट गये। वहां आपकी भेंट प्रख्यात क्रांतिकारी लाला हरदयाल से हुई। उन दिनों वहां भारत की स्वाधीनता के लिए अभियान चलाने और संगठन तैयार करने की योजना चल रही थी। लाला हरदयाल ने भाईजी को भी इस दल में सम्मिलित कर लिया। इस दल में करतार सिंह सराबा, विष्णु गणेश पिंगले जैसे कार्यकर्ताओं ने भारत की स्वाधीनता के लिए अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प लिया। भाईजी पुनः 1913 में भारत लौटे और लौटकर लाहौर में क्रान्ति के लिये युवकों की टोली तैयार करने में जुट गये। उन्होंने इसके लिये देशभर की यात्राएं कीं तथा यात्रा के बीच ही 1914 में 'तवारीख–ए–हिन्द' नामक ग्रंथ की रचना की जो इतिहास की एक प्रेरणादायी पुस्तक है।

भारत में क्रांति करने के उद्देश्य से गदर पार्टी का गठन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में युवकों की टोली तैयार हो गई। भाईजी इस पार्टी के अग्रणी नेताओं में थे। उन्होंने पेशावर में क्रान्ति के नेतृत्व का दायित्व स्वयं लिया। इसकी भनक पुलिस को लगी और भाईजी 25 फरवरी 1915 गिरफ्तार कर लिये गये। उन पर अमरीका तथा इंग्लैंड में अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध षड्यन्त्र रचने, करतार सिंह सराबा तथा अन्य अनेक युवकों को सशस्त्र क्रान्ति के लिए प्रेरित करने, आपत्तिजनक साहित्य की रचना करने जैसे आरोप लगे और फांसी की सजा सुना दी गई। इसकी प्रतिक्रिया देशभर में हुई। पुनर्विचार याचिका भी लगी और फांसी की सजा आजीवन कारावास में बदल गई। दिसम्बर, 1915 में उन्हें अंडमान जेल भेज दिया गया। जहां उन्हें अमानवीय यातनाएं दीं गई। इधर उनकी धर्मपत्नी भाग्यसुधि ने धनाभाव के बावजूद स्वाभिमान और साहस के साथ अपने परिवार के पालन–पोषण का दायित्व निभाया।

अण्डमान की काल कोठरी में भाईजी ने "मेरे अन्त समय का आश्रय" नामक ग्रन्थ की रचना की। जेल में बंदियों पर होने वाले अमानवीय अत्याचारों के विरुद्ध भाईजी ने दो महीने का भूख हड़ताल की। गान्धीजी को जब कालापानी में इन अमानवीय यातनाएं दिए जाने का समाचार मिला तो उन्होंने 19 नवम्बर 1919 के "यंग इंडिया" में एक लेख में इन यातनाओं की भर्त्सना की। उन्होंने भाईजी की रिहाई की भी मांग की। प्रथम विश्वयुद्ध के संदर्भ में भारतीय जेलों में राजनैतिक बंदी रिहा किये गये। भाईजी भी 20 अप्रैल 1920 को कालापानी जेल से मुक्त कर दिये गये। अंडमान जेल के पांच वर्षों में भाईजी ने जो अमानवीय यातनाएं सहन कीं, उनपर भी उन्होंने "मेरी आपबीती" नामक पुस्तक की रचना की, उसका वर्णन पढ़कर रौंगटे खड़े होते हैं। इनका उल्लेख प्रो. धर्मवीर द्वारा लिखित पुस्तक "क्रान्तिकारी भाई परमानन्द" ग्रन्थ में है। जेल से मुक्त होकर भाईजी ने पुनः लाहौर को अपना कार्यक्षेत्र बनाया। लाला लाजपतराय भाई जी के अनन्य मित्रों में थे। उन्होंने राष्ट्रीय विद्यापीठ की स्थापना की तो उसका कार्यभार भाईजी को सौंपा गया। इसी महाविद्यालय में भगतसिंह एवं सुखदेव आदि पढ़ते थे। भाईजी ने उन्हें सशस्त्र क्रान्ति के यज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित किया था। भाई जी ने "वीर बन्दा वैरागी" पुस्तक की रचना की, जो पूरे देश में चर्चित रही। इसी बीच असहयोग आंदोलन आरंभ हुआ लेकिन इस आन्दोलन के साथ खिलाफत आंदोलन के जुड़ने का भाईजी ने कड़ा विरोध किया। इसके लिए उन्होंने लेख लिखे और सभाएँ कीं। भाईजी पर इसकी प्रतिक्रिया इतनी तीव्र हुई कि उन्होंने हिन्दू संगठन के महत्व पर बल दिया और "हिन्दू" पत्र का प्रकाशन प्रारंभ कर दिया। इस पत्र में देश को खण्डित करने के षड्यन्त्रों को उजागर किया। 1930 में अपने एक लेख में भाईजी ने बाकायदा यह चेतावनी भी दी कि मुस्लिम नेताओं का उद्देश्य मातृभूमि का विभाजन कर नये देश का निर्माण करना है। बाद में भाईजी हिंदू महासभा में सम्मिलित हो गए। 1933 में हिंदू महासभा के अजमेर अधिवेशन में भाई जी अध्यक्ष चुने गए। अंततः भाईजी की आशंका समय के साथ सही साबित हुई और भारत का विभाजन हो गया। यह वेदना उनके हृदय में इतनी गहरी हुई कि वे बीमार पड़ गये तथा 8 दिसम्बर 1947 को उन्होंने इस संसार से विदा ले ली। भाईजी की स्मृति को बनाये रखने के लिये दिल्ली में एक व्यापार अध्ययन संस्थान का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। साथ ही 1979 में भारत सरकार ने उनकी स्मृति में डाक टिकट जारी किया।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हमारी जीवन शैली बनी प्रदूषण का कारण, हो जरूरी उपाय

रजत मुखर्जी

प्रकृति और मानव का साहचर्य तब से रहा है जब से मानव धरती पर अवतरित हुआ। अपने स्वार्थ हेतु उसने प्रकृति को अवशोषित, परिवर्तित और प्रदूषित किया। मानव प्रकृति को द यह भूल गया कि आवश्यकताओं ने उसकी आ को पूरा किया लेकिन वह लालची होता चला गया और स्वयं को ऐसे कगार पर लाकर खड़ा कर दिया जहां से वापस आना असंभव–सा है। विकास की न समाप्त होने वाली चाह प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को चरम पर ले आई, परिणामस्वरूप वायु, जल, मिट्टी और यहां तक कि पूरा मानव प्रजाति उसके दुष्परिणाम भुगतने पर विवश है। हमारे अति शोषण का परिणाम ही प्रदूषण है। प्रदूषण का तात्पर्य मनुष्य द्वारा वातावरण की गुणवत्ता में गिरावट है। वह अपने कार्यकलापों से क्षेत्रीय स्तर पर वातावरण को जो हानि पहुंचाता है, वही प्रदूषण है।

प्रदूषण को पारिभाषित करने का प्रयास अनेक वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों ने किया है। उदाहरण स्वरूप डी. एम. डिक्सन के अनुसार प्रदूषण में मानव की वे सब प्रक्रियाएं सम्मिलित हैं जिन्हें वह अपनी तात्कालिक या दीर्घकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु वातावरण का पूर्ण लाभ लेने का प्रयास करता है।

नेचुरल इनवायरमेंट मेंटल रिसर्च काउंसिल के अनुसार मानव के कार्यकलापों द्वारा निस्तारित ऊर्जा एवं तत्त्वों का कचरा जो वातावरण में हानिकारक परिवर्तनों के लिए उत्तरदायी होता है, वही प्रदूषण कहलाता है। उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि प्रदूषक वह तत्त्व है जो प्रकृति के परिस्थितिकीय तंत्र को असंतुलित कर देता है। अपनी उत्पत्ति के आधार पर प्रदूषकों को अनेक श्रेणियों में रखा जा सकता है

जैसे प्राकृतिक प्रदूषक, मानकीय प्रदूषक, ठोस प्रदूषक, तरल प्रदूषक, वायु प्रदूषक इत्यादि। समाज में व्यक्तिवादी भावना के विकसित होने का परिणाम पूरी मानव जाति को भुगतना पड़ता है।

कृषि, उद्योग, यातायात शहरी विकास इत्यादि सभी क्षेत्रों में मानव की इसी व्यक्तिवादी स्वार्थी प्रवृति के परिणाम के रूप में प्रदूषित जल, वायु, मिट्टी के रूप में हमारे सामने आया है। यह जल ही है जो पृथ्वी पर ठोस, तरल और वाष्प तीनों रूपों में अपने चक्र को संपादित करके जैव मंडल को सक्रियता प्रदान करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जल में जब बाह्य तत्त्व, जो जीवन के लिए हानिकारक हों, मिल जाएं और उसके सामान्य ऑक्सीजन स्तर को गिरा दें, जल को प्रदूषित करके बीमारी का कारण बन जाएं, ऐसे तत्त्वों से युक्त जल को हम प्रदूषित कह सकते हैं। मानव निर्मित प्रदूषित जल नदी, झील, भूमिगत जल, समुद्री जल आदि सभी को प्रदूषित करते हैं। यह प्रदूषित जल मानव जीव–जंतुओं और वनस्पति के लिए बहुत हानिकारक है। अनेक प्रकार की महामारी और घातक बिमारी जैसे कोलरा, टीबी, जौंडिस, डीसेंटी, टाइफाइड, डायरिया आदि प्रदूषित जल के कारण ही फैलती हैं। मृदा वातावरण का महत्त्वपूर्ण अंग है क्योंकि यह हर प्रकार की वनस्पति और जीवन की आधारशिला है। मृदा का प्रदूषण भी मानवीय देन है। रासायनिक खादों का अत्यधिक प्रयोग कर किसान अधिक से अधिक उपज चाहता है। उनको यह मालूम नहीं होता कि बीज नाशक पहले अनचाहे पौधों को समाप्त करते हैं और उसके बाद वे मृदा में मिलकर उसकी गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाते हैं। वायु प्रदूषण तीसरा महत्त्वपूर्ण प्रश्न है।

हमारा वायुमंडल अनेक गैसों का सम्मिश्रण मात्र है जिसमें कुछ वाष्प और धूल कण भी सम्मिलित हैं। वायु प्रदूषण के मुख्य कारक यातायात के साधन, वाहन इत्यादि) तापीय ऊर्जी जनन प्लांट, उद्योग, कृषि खनन और कुछ प्राकृतिक कारक महत्वपूर्ण हैं। भारत में लगभग हर शहर की वायु प्रदूषित है जिसका कारण बड़ी संख्या में वाहनों का होना एवं बिना सोचे–समझे किया गया औद्योगीकरण ही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी फसलों के बचे भाग या जानवरों के गोबर इत्यादि जलाकर भोजन पकाया जाता है जिससे प्रदूषण फैलता है।

वायु प्रदूषण की वजह से शहरी जीवन, असहनीय सा हो गया है। अनेक प्रकार की बीमारियां इसी प्रदूषण के प्रभाव के कारण है। ध्वनि प्रदूषण भी वह शोर है जो मानव को बहरा बना देता है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है।

ध्वनि प्रदूषण को वाहनों और मशीनों में ध्वनि नियंत्रक यंत्र लगाकर कम किया जा सकता है। अंततः कहा जा सकता है कि हमारे विकास का एक सह–उत्पाद प्रदूषण भी है, चाहे वह किसी भी रूप में हो।

सड़कें कम, वाहन ज्यादा हैं। इसका अनुपात बनाए रखना आवश्यक है। हमारे देश में तो सब बढ़ा ही है, अगर कुछ घटा है तो वह है वफादारी, सहयोग और वसुधैव कुटुंबकम की भावना।

छठ व्रत पर भगवान भास्कर और छठी मइया की होती है पूजा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

उ'दय' का 'अस्त' भौगोलिक नियम है, तो 'अस्त' का 'उदय' प्राकृतिक और आध्यात्मिक सत्य। भगवान भास्कर की अराधना का पर्व 'छठ' है। यह पर्व जात–पात, अमीर–गरीब के भेद–भाव को भूलकर, एक हो जाने का संदेश देता है। इस पर्व को बहुत ही पवित्र, लोकमंगल और मंगलकारक महापर्व कहा जाता है। इस व्रत को करने से पारिवारिक सुख– स्मृद्धि तथा मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। भारत में छठ व्रत वर्ष में दो बार मनाया जाता है। पहली बार चैत्र में जिसे चैती छठ कहते हैं और दूसरी बार कार्तिक में जिसे कार्तिकी छठ कहा जाता है।

छठ व्रत पर भगवान सूर्य देव और छठी मइया की पूजा होती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि सूर्य देव कौन हैं और छठी मइया कौन हैं। पुराणों के अनुसार, माता अदिति और पिता महर्षि कश्यप के पुत्र हैं सूर्य देव। क्योंकि माता अदिति के पुत्रों को आदित्य कहा जाता है और सूर्य का एक नाम आदित्य भी है। छठी मइया ब्रह्मा जी की मानस पुत्री हैं और सूर्य देव की बहन हैं। श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार, प्रकृति के छठे अंश से प्रकट हुई सोलह माताओं में सबसे प्रसिद्ध छठी मईया हैं। छठ व्रत की परंपरा में गहरा विज्ञान छिपा हुआ है, षष्ठी तिथि (छठ) एक विशेष खगोलीय अवसर होता है। इस समय सूर्य की पराबैगनी किरणें पृथ्वी की सतह पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। उसके संभावित कुप्रभावों से मानव की यथासंभव रक्षा करने का सामर्थ्य इस परंपरा (छठ व्रत) में है। सूर्य के प्रकाश के साथ उसकी पराबैंगनी किरण जीवन को लाभान्वित भी करता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, यह घटना कार्तिक तथा चैत्र मास की अमावस्या के छह दिन उपरांत होती है। ज्योतिषीय गणना पर आधारित होने के कारण इसका नाम और कुछ नहीं, बल्कि छठ पर्व ही रखा गया है।

छठ व्रत के संबंध में कहा जाता है कि कर्ण ने सूर्य देव की पूजा सबसे पहले शुरू की थी। वे रोज घंटों तक पानी में खड़ा होकर सूर्य उपासना करते थे तथा सूर्य को अर्घ्य देते थे। एक अन्य कथा के अनुसार, जब पांडव ने जुए में अपना सारा राजपाट हार गए थे तब श्रीकृष्ण द्वारा बताये जाने पर द्रौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत को करने के उपरांत उनकी मनोकामनाएं पूरी हुई थी और पांडवों को उनका राजपाट वापस मिला था। दूसरी किदवंती है कि छठ व्रत का उपवास भगवान राम और माता सीता ने भी रामराज्य की स्थापना के लिए, लंका पर विजय प्राप्त करने के उपरांत अयोध्या लौटने पर रखा था तथा अर्घ्य अर्पित कर सूर्य देव की पूजा–अर्चना की थी।

'उगते सूरज की पूजा' तो संसार का विधान है, पर केवल हम 'भारतवासी' अस्ताचल सूर्य की भी अराधना करते हैं, और वो भी, उगते सूर्य से पहले। सूर्य जो पूरे दिन तपकर, अपनी पूरी ऊर्जा हमें देकर खुद अस्त होते हैं, उनकी पूजा की जाती है। फिर हम अगली सुबह उनके उगने का रात भर इंतजार करते हैं, कि अगली सुबह आप फिर आओ कि हम आपकी पुनः पूजा करेंगे। यह पर्व हमें प्रकृति के नजदीक ले जाता है। इसमें प्रयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के फल, सूप, टोकरी, ठेकुआ, खीर, सब प्रकृति का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। तालाब, नदी, पोखर, ये सब भी तो प्रकृति को ही दर्शाते हैं। यह महापर्व एक तरह से प्रकृति के संरक्षण का भी संदेश देता है। भगवान भाष्कर की उपासना ही छठ पर्व है जिसमें अलौकिक शक्ति का साक्षात्कार होता है। जो पूज्य हैं अर्थात जिनकी पूजा की जाती है, भगवान सूर्य, उनका साक्षात दर्शन होता है, उनको महसूस किया जाता है। यही कारण है कि छठ को महापर्व की संज्ञा दी गई है। सूर्य देव के संतानों में पुत्र के

रूप में मुख्यतः यमराज, शनिदेव, कर्ण और सुग्रीव का नाम आता है तथा उनकी पुत्री के रूप में कालिंदी और भद्रा का नाम आता है। कालिंदी को ही यमुना भी कहते हैं।

छठ महापर्व चार दिन तक पूरे विधि विधान और पवित्रता के साथ चलने वाला महापर्व है। पहले दिन नहाय–खाय, इस दिन नदियों में स्नान कर सैंधा नमक, घी से बना हुआ अरवा चावल, चने का दाल और कद्दू की सब्जी प्रसाद के रूप में ली जाती है। दूसरे दिन खरना कार्तिक शुक्ल पछ पंचमी को पूरे दिन उपवास किया जाता है। इस दिन रात में खीर बनती है। व्रतधारी रात में यह प्रसाद लेते हैं। यह प्रसाद उपवास के बाद शाम को व्रती भोजन के रूप में करती है और इसके बाद से निराजली रहती है, तीसरे दिन अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य, निराजली अवस्था में ही षष्ठी के दिन नदी, तालाब, घाट पर जाकर स्नान कर डूबते सूर्य को अर्घ्य यानि दूध अर्पण कर अर्घ्य देती है और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य। सप्तमी को सूर्योदय के समय लगातार निराजली रहते हुए ही अर्घ्य अर्पित कर व्रती इस महापर्व का समापन करती है।

कर्ण द्वारा घंटों तक पानी में खड़ा होकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा आज भी छठ व्रतियों में प्रचलित है, जिसे कष्ठी व्रत भी कहते है। छठ पर्व बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्योहार है। यह चार दिवसीय पर्व चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाता है और सप्तमी तिथि को समापन होता है। इस व्रत को चार दिनों तक संयम और धार्मिक शुद्धता का पालन करते हुए किया जाता है, इसलिए इस व्रत को कठोर और आध्यात्मिक अनुष्ठान कहा जाता है। इस व्रत में विशेष रूप से साफ–सफाई का ध्यान रखा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता सीता ने बिहार के मुंगेर जिला के बबुआ घाट के पश्चिमी तट पर, पहली बार छठ पूजा की थी। ऋषि मुद्गल के आश्रम में उन्होंने कार्तिक की षष्ठी को छठ व्रत रखा था। इस जगह को वर्तमान में सीता चरण के नाम से जाना जाता है। यहां माता सीता के चरणों के निशान और शिलापट्ट पर सूप, डाला और लोटा के निशान विद्यमान हैं। मान्यता यह भी है कि वनवास के दौरान माता सीता ने बांका के मंदार पर्वत पर स्थित सीताकुंड में भी छठ पूजा की थी। जानकारी के अनुसार, भगवान सूर्य को आरोग्य का देवता कहा जाता है। भगवान सूर्य की नित्य आराधना करने से बुद्धि तेज और शरीर अनेक रोगों से मुक्त होती है। यह प्रत्यक्ष देवता हैं, जिनका आधिभौतिक रूप हम अपनी आंखों से देखते हैं, इसलिए इनकी आराधना का हमारे जीवन में विशेष महत्त्व है।

भविष्य पुराण के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब रानी जाम्बवती के गर्भ से उत्पन्न हुए थे। साम्ब बलवान होने के साथ–साथ अत्यन्त रूपवान भी थे। अपने रूप का उन्हें बड़ा अभिमान था। जिसे अहंकार होता है उसका देर–सवेर अनिष्ट ही होता है और यही साम्ब के जीवन में भी हुआ था। एक बार वसन्त ऋतु में दुर्वासा ऋषि तीनों लोक में विचरण करते हुए द्वारिकापुरी में पहुंचे थे, उनकी क्षीण काया देखकर साम्ब ने उनका उपहास किया था। दुर्वासा ऋषि क्रोधी स्वभाव के थे, उस पर भी उनका कोई उपहास (हंसी उड़ाये) करे, यह उन्हें कैसे सहन होता। उन्होंने कमंडल से अपनी अंजुलि में जल लिया और संकल्प करके श्राप दे दिया कि तुम शीघ्र ही कोढ़ी हो जाओ। श्राप मिलते ही साम्ब कुष्ठरोग से पीड़ित हो गये।

ऐसी विकट परिस्थिति से बचने के लिए साम्ब को अपने पिता भगवान श्रीकृष्ण के सिवाय कोई नहीं सूझा। साम्ब भगवान श्रीकृष्ण के पास पहुंचे। श्रीकृष्ण ने साम्ब को धैर्य बंधाते हुए बोले 'धीरज रखो और सूर्य नारायण की आराधना करो। वे प्रत्यक्ष देवता हैं, उनकी कृपा से तुम इस रोग से मुक्ति पाकर सुख भोग सकोगे।' साम्ब चन्द्रभागा नदी के तट पर मित्रवन नामक सूर्यक्षेत्र में सूर्य नारायण की आराधना करने लगे और उपवास रखकर प्रतिदिन भगवान सूर्य के एक हजार नाम का पाठ करते थे।

भगवान सूर्य ने प्रसन्न होकर उन्हें स्वप्न में उपरोक्त इक्कीस नाम बताये और कहा प्रिय साम्ब! तुम्हें सहस्रनाम से हमारी स्तुति करने की आवश्यकता नहीं है। हम तुम्हें अत्यन्त पवित्र और इक्कीस नाम बताते हैं, जिनका पाठ करने से सहस्रनाम पाठ करने का फल मिलता है। जो दोनों सन्ध्याओं (सूर्योदय–सूर्यास्त) में इसका पाठ करता है, वह समस्त पापों से छूटकर धन, आरोग्य, सन्तान आदि वाञ्छित पदार्थ प्राप्त करता है और निश्चित ही समस्त रोगों से मुक्त हो जाता है।

भगवान सूर्य को 21 नाम से जाना जाता है, जिसे एक बार पढ़ने पर, भगवान सूर्य के एक हजार नाम बोलने के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। सूर्य स्तोत्र नामावली के अनुसार, (1) विकर्तन, (2) विवस्वान, (3) मार्तण्ड, (4) भास्कर, (5) रवि, (6) लोकप्रकाशक, (7) श्रीमान, (8) लोकचक्षु, (9) महेश्वर, (10) लोकसाक्षी, (11) त्रिलोके, (12) कर्ता, (13) हर्ता, (14) तमिस्रहा, (15) तपन, (16) तापन, (17) शुचि, (18) सप्ताश्ववाहन, (19) गभस्तिहस्त, (20) ब्रह्मा और (21) सर्वदेवनमस्कृत है।

सूर्य स्तवराज स्तोत्र अनुष्टुप छन्द पर आधारित निम्नलिखित ढाई श्लोक हैं, जिनका एक बार पठन सहस्र सूर्य नाम जप के समान फलदायी है। ये ढाई श्लोक किसी स्तोत्र से कम नहीं है।

"ॐ विकर्तनो विवस्वांश्च मार्तण्डो भास्करो रविः। लोकप्रकाशकः श्रीमान लोकचक्षुर्महेश्वरः।। लोकसाक्षी त्रिलोकेशः कर्ता हर्ता तमिस्रहा। तपनस्तापनश्चैव शुचिः सप्ताश्ववाहनः ।। गभस्तिहस्तो ब्रह्मा च सर्वदेवनमस्कृतः"।

जयपुर स्वच्छता में देश के टॉप तीन शहरों में आये : दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जयपुर के संस्थापक और उनके पूर्व महाराजा सवाई जयसिंह की जंयती के मौक़े पर स्टेचू सर्किल पहुँच कर दीप प्रज्वलित किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौक़े पर जयपुर नगर निगम हेरिटेज की महापौर कुसुम यादव भी मौजूद थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर को एक नियोजित शहर के रुप में बसाया गया था जो अपने स्थापत्य और चौड़ी सड़कों के लिए विख्यात था और आज भी हम जयपुर शहर की सदियों पर योजनाबद्ध तरीक़े से बनी सुविधाओं का उपयोग कर रहे है। उन्होंने कहा कि जयपुर अब एक यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी है और ये हम सब की ज़िम्मेदारी है कि हम जयपुर की विकास तो संजोने का काम करे। दिया कुमारी ने ज़ोर दे कर कहा कि हेरिटेज को बचाने के साथ ही शहर को स्वच्छ रखने की ज़िम्मेदारी ना केवल सरकार और स्थानीय प्रशासन की है बल्कि शहर के नागरिकों की भी है।

इस मौक़े पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आवाह्न किया कि जयपुर शहर को स्वच्छता के मामले में देश के टॉप तीन शहरों में शामिल करने के प्रयास किये जाये।

संक्षिप्त समाचार

पानी के मुद्दे पर 6 को होगी रूपवास क्षेत्र में सभाऐं

● पाँचना पानी बँटबारे की माँग

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। पाँचना बाँध के पानी का बँटबारा करने तथा बाणगंगा नदी को गम्भीर से जोड़ने तथा ईआरसीपी पर शीघ्र कार्य आरम्भ कर भरतपुर और डीग जिले में प्रथम चरण में पानी लाने की माँग को लेकर किसान संघर्ष समिति द्वारा 6 नवम्बर को रूपवास क्षेत्र के गाँवों में सभाऐं आयोजित होगी। किसान नेता और पूर्व जिला पार्षद इन्दल सिंह जाट ने बताया कि पानी के मुद्दे पर होने बाली सभाऐं 6 नवम्बर को 11 बजे दाहिना गाँव व दोपहर 2 बजे ग्राम दौरदा में होगी जिनमे आसपास के निकटवर्ती गाँवों के लोग भी हिस्सा लेगे। इन सभाओं को समाजवादी शताब्दी पुरुष से सम्मानित पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ' रूपवास के पूर्व प्रधान सालीग्राम शर्मा ' किसान नेता इन्दल सिंह जाट ' जागरुक किसान हरभान सिंह परमार मुख्य रूप से संवोधित करेंगे।

किसान नेता इन्दल सिंह ने बताया कि पूर्वी राजस्थान सहित भरतपुर और डीग जिले में सिंचाई और पेयजल का गम्भीर संकट है , बगैर पानी के खेती बर्बाद हो रही है जबकि लोग दूषित पानी पीने के लिये मजबूर है या लोग पैसे से खरीदकर पीने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि पानी के लिये उनका संघर्ष वर्ष 2007 से लगातार चल रहा है अब सरकार को पानी से जुड़े मामलों का समाधान करना चाहिये।

जिला जाटव महासभा समिति भरतपुर की बैठक आज होगी आयोजित

चमकता राजस्थान/ भरतपुर (राजवीर सिंह)। जिला जाटव महासभा समिति जिला अध्यक्ष धर्म सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला जाटव महासभा समिति भरतपुर के तत्वाधान में जिला जाटव महासभा समिति भरतपुर की कार्यकारिणी एवं सर्वजन जाटव समाज की सामान्य मीटिंग आज 4 नवंबर 2024 सोमवार को अंबेडकर पार्क सोगरिया मौहल्ला भरतपुर में दोपहर 12 बजे आयोजित की जाएगी। समाज के सभी बंधुओं से मीटिंग में सम्मिलित होने को कहा गया है।

कानपुरा में लक्ष्मी नारायण भगवान के छप्पन भोग लगाया

चमकता राजस्थान । श्रीनगर कानपुरा में लक्ष्मी नारायण मंदिर में छप्पन भोग लगाया गया सेवाधारी पंडीत घनशयाम पारीक ने महा आरती की ग्रामीणों ने महाआरती में भाग लिया। व भक्ति रस में डूबे ग्राम वासी

भाजपा के देहात समन्वयक सदस्यता अभियान को लेकर सक्रिय

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर/ नसीराबाद भाजपा सदस्यता अभियान के अन्तर्गत भाजपा देहात जिला मोर्चा समन्वयक नरेन्द्र सिंह रावत ने आज मांगलियावास मंडल के मांगलियावास में सघन सम्पर्क कर अभियान में और अधिक गति बढ़ाने हेतु शक्ति केन्द्र संयोजकों, सहसंयोजकों, बूथ अध्यक्षों को अधिक से अधिक सक्रिय सदस्य बनाने के लिए प्रेरित किया ।श्री रावत ने कहा कि सदस्य जोड़ने का अभियान अभी जारी है।श्री रावत ने सभी कार्यकर्ताओं को दिपावली की शुभकामनाएं भी दी ।श्री रावत ने कहा कि जिन सदस्यों ने अपने रेफरल कोड से 50 सदस्य जोड कर सक्रिय सदस्य बन चुके हैं उन्हें अन्य कार्यकर्ताओं के रेफरल कोड में सदस्य जोड़ने में सहयोग करते हुए अधिक से अधिक संख्या में सक्रिय सदस्य जोड़ने के प्रयास करना चाहि-ए।श्री रावत के साथ जिला कार्यसमिति सदस्य नरेन्द्र गंगवाल, मंडल अध्यक्ष संजय सोनी, पुखराज पूनिया, मंडल महामंत्री राकेश संचेती,सुखराम जाखड़,सुमेर ओलानिया, रामस्वरूप पूनिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

पीएम मोदी, अमित शाह समेत कई नेताओं ने देशवासियों को भाई दूज की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश में आज भाई दूज का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दिन बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक कर उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं। ऐसा करने से भाई-बहन दोनों के जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। इस अवसर पर पीएम मोदी और अमित शाह समेत कई नेताओं ने सभी देशवासियों को भाई दूज की शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी देशवासियों को भाई दूज की ढेरों शुभकामनाएं। यह पावन अवसर

भाई-बहन के आपसी स्नेह-भाव को और प्रगाढ़ करे, यही कामना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, समस्त देशवासियों को भाई दूज के पावन पर्व की अनंत शुभकामनाएं। प्रेम, समर्पण व कर्तव्यपरायणता का यह पर्व सभी के जीवन में अपार खुशियां लाए, यही कामना करता हूं।

वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक्स पर पोस्ट कर 'भैया दूज' की बधाई दी। सीएम योगी ने कहा, भाई-बहन के अटूट स्नेह और समर्पण के प्रतीक, पावन पर्व 'भैया दूज' की सभी भाइयों-बहनों को हार्दिक बधाई! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आप सभी के जीवन में यह पवित्र बंधन सदा बना रहे। हर परिवार खुशहाली और प्रेम से आबद्ध रहे।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर देशवासियों को भाई दूज की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस ने कहा, सभी देशवासियों को भाई-बहन के परस्पर प्रेम के प्रतीक पर्व 'भाई दूज' की हार्दिक शुभकामनाएं।

बस मार्शलों पर गंदी राजनीति बंद करे भाजपा : सीएम आतिशी

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को भाजपा नेताओं को बस मार्शलों की बहाली को लेकर गंदी राजनीति बंद करने की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नौकरी से निकाले गए सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों (सीडीवी) को पता है कि उनकी परेशानी की वजह भाजपा है, न कि सत्तारूढ़ आप या उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल।

मुख्यमंत्री ने भाजपा को चुनौती दी कि वह अधिकारियों से उनकी सरकार के उस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए कहें, जिसे इस सप्ताह राजनिवास भेजा जा सकता है ताकि सभी 10 हजार सीडीवी को तुरंत नियमित किया सके।

आतिशी ने गरीब परिवारों के 10 हजार से अधिक बस मार्शलों को रोजगार प्रदान करने और दिल्ली की महिलाओं तथा बच्चों के लिए बस यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए उनकी तैनाती

का श्रेय केजरीवाल को देते हुए कहा कि उनकी सेवा में व्यवधान भाजपा द्वारा नियंत्रित अधिकारियों के कारण उत्पन्न हुआ था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के अधिकारियों ने अप्रैल 2023 में बस मार्शलों का वेतन रोक दिया और उन्हें बर्खास्त करने के लिए फाइलों पर लगातार नकारात्मक नोटिंग की।

आतिशी ने मीडियाकर्मियों से कहा, यह अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार के प्रयासों के कारण ही संभव हुआ कि बाधाओं के बावजूद बस मार्शलों को वेतन जारी किया गया।

उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल ने बस मार्शलों की बहाली तक उनके संघर्ष में शामिल होने का वादा किया है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर यह हमला उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा शनिवार को लिखे गए एक पत्र के बाद किया है, जिसमें उन्होंने 1 नवंबर से प्रदूषण नियंत्रण के लिए सीडीवी को फिर से शामिल करने का प्रस्ताव लाने में दिल्ली सरकार की असमर्थता पर नाराजगी व्यक्त की थी।

सक्सेना ने कहा कि उन्होंने शहर में प्रदूषित हवा से निपटने के उपाय के रूप में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों (सीडीवी) की शीघ्र पुनर्नियुक्ति की मांग की थी। एलजी ने कहा कि उनकी समय पर बहाली से प्रदूषण से लडने में मदद मिली होती और उनके कल्याण में योगदान मिला होता। सीएम आतिशी ने रविवार को भाजपा को एक ऐसी पार्टी बताया जो आंदोलनकारी बस मार्शलों को लाठियों से पिटवाती है और दिल्ली और देश भर में अनुबंध कर्मचारियों के कल्याण का विरोध करती है।

आतिशी ने कहा, विधानसभा चुनावों से पहले, भाजपा ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लाखों संविदा कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का वादा किया था, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही।

चिरंजीवी योजना में हुआ हार्ट का ऑपरेशन

● पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को दिया धन्यवाद

चमकता राजस्थान/जयपुर। भूतपूर्व जयपुर जिला सचिव अरशद अली ने चिरंजीवी योजना से नि शुल्क हार्ट का ऑपरेशन होने पर भूतपूर्व मुख्यमंत्री अशोक लोगों का आभार प्रकट किया और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

दरअसल अरशद अली को हार्ट में परेशानी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और पैसे की कमी के चलते उन्हें चिरंजीवी योजना का लाभ मिला और उन्हें उनका सफल हार्ट का ऑपरेशन हुआ इस पर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि चिरंजीवी योजना के माध्यम से पूर्व गहलोत सरकार की योजना से राहत मिल रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने खुशी ज़ाहिर करते हुए स्वास्थ्य की जानकारी लेकर डॉक्टर के दिये निर्देशों की पालना करने की सलाह दी।

श्रीनगर के ग्रेनेड हमले में 12 से अधिक दुकानदार घायल

श्रीनगर/एजेंसी। श्रीनगर में रविवार दोपहर आतंकवादियों ने सीआरपीएफ के एक वाहन पर ग्रेनेड फेंका, लेकिन निशाना चूक गया और ग्रेनेड सड़क पर फट गया। इस हमले में करीब 12 से अधिक पैदल यात्री और दुकानदार घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात आतंकवादियों ने श्रीनगर शहर में टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर (टीआरसी) क्रॉसिंग के पास सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर वाहन पर ग्रेनेड फेंका। एक अधिकारी ने बताया, ग्रेनेड का निशाना चूक गया और वह सड़क पर फट गया, इससे 12 से अधिक नागरिक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है और तलाशी के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया खींवसर में कमल खिलाने का आवाहन

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज खींवसर उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी का जिता कर कमल खिलाने का आवाहन किया। वे खींवसर में एक दीपावली मिलन समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रही थी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में अब डबल इंजन की सरकार है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में विकास की कड़ी से कड़ी जुड़ चुकी है और अब खींवसर की कड़ी भी जोड़ने का समय आ गया है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह

खींवसर, श्री सुरेश रावत, राज्य मंत्री श्रीमती मंजू बाघामार और श्री विजय सिंह चौधरी, विधायक श्री केसाराम चौधरी, अतुल भंसाली, आदूराम मेघवाल, भाजपा प्रत्याशी श्री रेवतराम डाँगा, नागौर जिला अध्यक्ष श्री रामनिवास सांखला और प्रदेश प्रवक्ता श्री अशोक सैनी भी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी श्री रेवतराम डाँगा के समर्थन में अपील करते हुए कहा कि यह बहुत ज़रूरी है कि खींवसर में भी ऐसा विधायक बने कि जनता के सारे काम तुरंत हो और खींवसर किसी भी मायने में पीछे नही रह जाये। उन्होंने कहा कि इसके लिए भाजपा का विधायक बनना बहुत जरूरी है और आप मतदाता के रूप मे भाजपा को अपना समर्थन दे। दिया कुमारी ने मातृशक्ति से विशेष रूप से अपील करते हुए कहा कि वे नवम्बर 13 को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान सुनिश्चित करे। उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को दीपावली और भाई दूज की शुभकामनाएँ भी प्रेषित की।

जलेबी खिलाकर दी दिपावली की शुभकामना

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने आवास पर कार्यकर्ताओं और नागरिकों को दी शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर/ अजमेर। केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने किशनगढ स्थित आवास पर दिपावली मनाई इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और नागरिकों को शुभकामनाएं दी, शुभकानाओं का आदान प्रदान हुआ।

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय मंत्री चौधरी के निवास पर जलेबी खिला कर शुभकामनाएं दी, केन्द्रीय मंत्री ने क्षेत्रवासियों के सुख दुःख जाने और विभिन्न क्षेत्रों से पधारे नागरिकों से उनके क्षेत्र में क्षेत्रवासियों की कुषलक्षेम जानी। इस अवसर पर पधारे कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने कुछ समस्यायें भी केन्द्रीय मंत्री के समक्ष रखी जिस पर चौधरी ने दूरभाष पर ही अधिकारियों

को निर्देशित कर उनका समाधान कराया।

चौधरी ने कार्यकर्ताओं को समृद्ध और खुशहाल दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केन्द्र सरकार किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाएं प्रदान करने में कोई कमी नही रख रहा है, विभिन्न नवीन तकनीकों एवं प्रोद्योगिकी का उपयोग करते हुए निरन्तर समृद्धि की ओर कैसे किसान अग्रसर हो, किसानों के मुख पर दिपावली की खुशियां हमेशा रहे इस हेतु उनका मंत्रालय हमेशा प्रयासरत है।

मोदी सरकार के 100 दिन

खरगे ने कहा- 140 करोड़ भारतीयों पर ये एक क्रूर मजाक

नयी दिल्ली/एजेंसी।

पीएम नरेंद्र मोदी के हमले पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एनडीए की 100 दिन की योजना को 'सस्ता पीआर स्टंट' बताया। उन्होंने एनडीए सरकार पर शासन करने के लिए झूठ, छल, धोखाधड़ी, लूट और प्रचार पर निर्भर रहने का भी आरोप लगाया है।

भाजपा में 'बी' का मतलब विश्वासघात

खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'झूठ, छल, कपट, लूट और प्रचार ये पांच विशेषण हैं जो आपकी सरकार का सबसे अच्छा वर्णन करते हैं। 100 दिवसीय योजना के बारे में आपका ढोल पीटना एक सस्ता पीआर स्टंट था। 16 मई 2024 को आपने यह भी दावा किया था कि आपने 2047 के रोडमैप के लिए 20 लाख से अधिक लोगों से इनपुट लिया था। पीएमओ में दायर आरटीआई ने आपके झूठ को उजागर करते हुए विवरण देने से इनकार कर दिया। भाजपा में 'बी' का मतलब विश्वासघात है, जबकि 'जे' का मतलब जुमला है!'

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा कि, 'प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियों के वादे का क्या हुआ। भारत की बेरोजगारी दर 45 साल के उच्चतम स्तर पर क्यों है? जहां भी मुट्ठी भर नौकरियों के लिए रिक्तियां होती हैं, वहां भगदड़ क्यों देखी जाती है? सात साल में 70 पेपर लीक का जिम्मेदार कौन है? पीएसयू में हिस्सेदारी बेचकर पांच लाख सरकारी नौकरियां किसने छीनी? घरेलू बचत 50 साल के निचले स्तर पर क्यों गिर गई है? अच्छे दिनों का क्या हुआ? रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। आपकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 150 लाख करोड़ रुपये से अधिक उधार लिए हैं, यानी प्रत्येक भारतीय पर 1.5 लाख का कर्ज है।

मंत्री रील पीआर में व्यस्त

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, आर्थिक असमानता 100 साल के उच्चतम स्तर पर है। निजी निवेश 20 साल के निचले स्तर पर है। विकसित भारत का क्या हुआ? जो कुछ भी आप बनाने का दावा करते हैं वह ताश के पत्तों की तरह ढह रहा है। महाराष्ट्र में शिवाजी की मूर्ति का उद्घाटन आपके द्वारा किया गया, दिल्ली हवाई अड्डे की छत, अयोध्या में राम मंदिर की छत और अटल सेतु में दरारें आ गईं। गुजरात (मोरबी) में पुल टूटना, जबकि बिहार में नए पुलों का गिरना आम बात है। अनगिनत रेल दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि मंत्री रील पीआर में व्यस्त हैं।

देश नहीं झुकने दूंगा का क्या हुआ?

खड़गे ने पोस्ट में आगे लिखा, न खाऊंगा, न खाने दूंगा का क्या हुआ? हमारे पास आपके लिए केवल दो शब्द हैं। जबरन वसूली करके असंवैधानिक चुनावी बांड के माध्यम से लूट करना भाजपा का सबसे बड़ा वित्तीय अपराध है। मैं देश नहीं झुकने दूंगा का क्या हुआ? सबका साथ, सबका विकास और जय किसान, जय जवान का क्या हुआ? 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का जुमला। एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी से इनकार। 35 कृषि वस्तुओं पर जीएसटी। अग्निपथ के माध्यम से सशस्त्र बलों में स्थायी भर्ती को अस्थायी में बदलना।

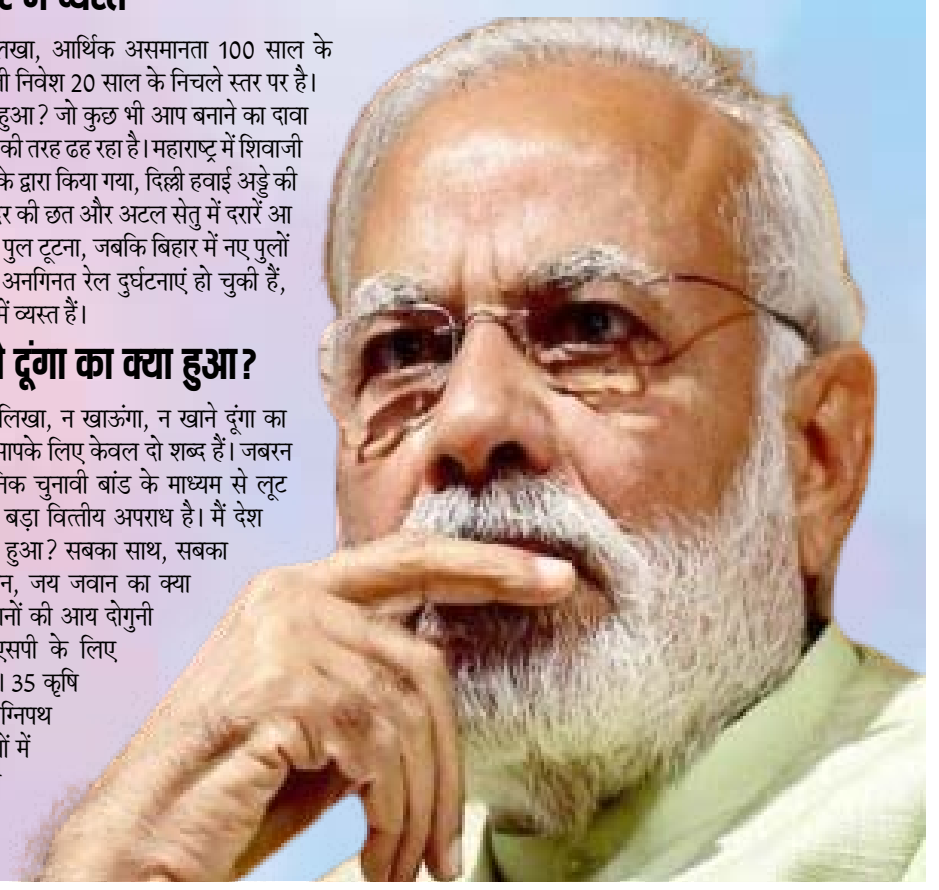

न्यूज अपडेट

दीपावली पर पत्नी और बेटी के न आने से आहत सिपाही ने दी फंदे पर लटक कर जान

आगरा/एजेंसी। दीपावली के त्योहार पर भी पत्नी बेटी को लेकर ससुराल नहीं आई। फोन करने पर पति को खरी खोटी सुना दी। इस बात से आहत होकर आबकारी विभाग में सिपाही के पद पर तैनात पति ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। स्वजन ने पत्नी और मायका पक्ष पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। लोहामंडी पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना शुक्रवार दोपहर दो बजे की है। लोहामंडी के नगला गंगा राम के रहने वाले अर्जुन सिंह ने घर के अंदर कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। बड़े भाई के बच्चों ने शव फंदे से लटका देख स्वजन को जानकारी दी। सूचना पर आई पुलिस ने शव को उतारा और विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। भाई सुनील कुमार ने बताया कि अर्जुन सिंह आबकारी विभाग में सिपाही थे। वर्तमान में सहारनपुर में तैनाती थी। सात वर्ष पूर्व शाहगंज के बसी का नगला निवासी डाली से शादी हुई थी। पांच वर्ष की एक बेटी है। आरोप है कि शादी के बाद से पत्नी लगातार झगड़ा करती थी। ज्यादातर मायके में ही रहती थी। आखिरी बार जुलाई माह में घर आई थी। करवाचौथ पर भी पत्नी घर नहीं आई थी। दीपावली पर भी घर न आने पर भाई ने शुक्रवार दोपहर पत्नी को फोन किया। पत्नी ने आने से मना कर दिया, अर्जुन ने खुद पत्नी के पास आने के लिए कहा तो ससुर ने घर आने पर पिटाई करने की धमकी दी। इस बात से क्षुब्ध होकर शुक्रवार दोपहर उसने फंदे पर लटक कर जान दे दी। प्रभारी निरीक्षक लोहामंडी रोहित कुमार ने बताया कि स्वजन की तहरीर और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पप्पू यादव को धमकी देने वाला दिल्ली से गिरफ्तार, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कोई कनेक्शन नहीं

नयी दिल्ली/एजेंसी। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी देने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से कोई कनेक्शन नहीं है। उसने लॉरेंस गैंग के नाम पर यूएई के नंबर से पप्पू यादव को व्हाट्सएप पर धमकी दी थी। पूर्णिया पुलिस ने उसे दिल्ली से अरेस्ट किया है। आरोपी का नाम महेश पांडेय है। उसने अपनी साली के नंबर से व्टाट्सएप अकाउंट बनाकर पप्पू यादव को धमकी दी थी। पूर्णिया के एसपी कार्तिकेय के शर्मा ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया के जरिए सांसद पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से जान से मारने की धमकी दिए जाने की खबरें प्रसारित हो रही थीं। इसके बाद पुलिस ने संज्ञान लेते हुए मामले की जांच की। इस दौरान पता चला कि जिसने पप्पू यादव को धमकी दी, उसका नाम महेश पांडेय है और वह दिल्ली का रहने वाला है। उसे दिल्ली में हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी महेश पूर्व में कुछ सांसद और विधायकों के यहां काम कर चुका है। वह कुछ समय पहले यूएई घूमने गया था। वहां पर उसकी साली रहती है। उसने यूएई में साली के नाम से एक सिम ली थी। जब तक वह वहां रहा, तो उसका इस्तेमाल किया। भारत लौटने पर उसने अपनी साली को सिम नहीं लौटाई। फिर भारत में उसने यूएई के नंबर से एक फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाया और उसे चलाने लगा। इसी बीच बाबा सिद्दीकी हत्याकांड पर पप्पू यादव का बयान उसने खबरों में देखा। फिर उसने पप्पू यादव का इंटरनेट से नंबर निकालकर यूएई वाले व्हाट्सएप अकाउंट से मैसेज भेजा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से यूएई नंबर की सिम और मोबाइल फोन जब्त किया है।

कांग्रेस पर आरोप सत्य से परे

फ्री वाली स्कीम को लेकर पीएम मोदी के तंज पर बोलीं प्रियंका

नयी दिल्ली/एजेंसी।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'गारंटी' के विषय को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले पर पलटवार करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 140 करोड़ भारतीय नागरिकों के सामने बार-बार खोखले वादे करके देश के सर्वोच्च और सम्मानजनक पद की गरिमा को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर जो आरोप लगाए हैं, वे सत्य से परे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के चुनावी वादों को लेकर दिए बयान के बाद कांग्रेस पर बड़ा हमला किया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी को अब यह एहसास हो रहा है कि अवास्तविक वादे करना आसान है, लेकिन उन्हें लागू करना मुश्किल या असंभव है। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बुधवार को कर्नाटक में अपनी सरकार की खिंचाई कर दी थी। उन्होंने मुफ्त बस योजना (शक्ति) की समीक्षा करने की बात पर नाराजगी जताई थी। खरगे ने कहा था कि उतना ही वादा कीजिए, जितना पूरा कर पाएं। प्रियंका गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'महात्मा गांधी जी कहते थे, सत्य ही ईश्वर है। मुंडकोपनिषद में लिखा गया है सत्यमेव जयते, जो हमारा राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है। सत्य की स्थापना करने वाले ये आदर्श वाक्य भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, भारत के पुनर्निर्माण और सार्वजनिक जीवन के आदर्श बने। उन्होंने कहा कि सत्य जिस देश की हजारों साल की संस्कृति का आधार है, उस देश में सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को असत्य का सहारा नहीं लेना चाहिए। प्रियंका गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर जो आरोप लगाए हैं, वे सत्य से परे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ने जिस राज्य में जनता से जो वादे किए, अगला चुनाव आने का इंतजार किए बिना, सरकार बनते ही उन्हें पूरा करने का काम शुरू किया है। चाहे कर्नाटक हो, तेलंगाना हो या हिमाचल प्रदेश, कांग्रेस की सरकारों वाले प्रदेशों में जनता का पैसा जनता की जेब में प्रतिदिन गारंटियों द्वारा डाला जा रहा है।

यूएस प्रेसिडेंशियल इलेक्शन से पहले सर्वे में दावा

डोनाल्ड ट्रंप को मात देकर कमला हैरिस आगे

वाशिंग्टन/एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के ठीक पहले उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति के बीच एक कड़े मुकाबले के संकेत मिल रहे हैं। हाल ही के मतदान आंकड़ों के अनुसार, हैरिस ने कई राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में मामूली बढ़त बनाई है, लेकिन चुनाव को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच मशहूर हस्तियों का ट्रंप को समर्थन देने का सिलसिला जारी है। एलन मस्क के बाद अब मून लैंडिंग के हीरो बज एल्ड्रिन ने भी डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की है। ताजा सर्वेक्षण यूगोव का सामने आया है जिसमें कमला हैरिस को 51 प्रतिशत और ट्रंप को 47 प्रतिशत वोट मिले। तीन प्रतिशत मतदाताओं ने कोई मत व्यक्त नहीं किया। रायटर्स और इपसोस के सर्वे में हैरिस को 44 और ट्रंप को 43 फीसदी वोट मिले। हालांकि इस पोल की त्रुटि सीमा के चलते यह दौड़ लगभग बराबरी पर मानी जा रही है। मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे में हैरिस को 50 और ट्रंप को 47 प्रतिशत प्राप्त हुए। ये चुनाव गर्भपात अधिकारों को लेकर भी लड़े जा रहे हैं।

मिशिगन और विस्कॉन्सिन में बढ़त बना रखी, स्विग राज्यों में कड़ी टक्कर

स्विग राज्यों में मुकाबला बहुत करीब है। हैरिस ने मिशिगन और विस्कॉन्सिन में बढ़त बना रखी है, जबकि ट्रंप पेन्सिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलिना, जॉर्जिया, और एरिजोना में बढ़त बनाए हुए हैं। जबकि नेवादा में दोनों उम्मीदवार लगभग बराबरी पर हैं। लैटिनो मतदाताओं का समर्थन हैरिस के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू बना हुआ है। उधर एनबीसी न्यूज़ पोल के मुताबिक, हैरिस को लैटिनो मतदाताओं में 54 फीसदी समर्थन मिला है, जबकि ट्रंप को 40 प्रतिशत का समर्थन प्राप्त है। हालांकि यह बढ़त पर्याप्त है, लेकिन 2020 में बाइडन को मिले समर्थन के मुकाबले थोड़ा कम है। ऐसे में एरिजोना और नेवादा जैसे राज्यों में लैटिनो वोटर्स का समर्थन निर्णायक साबित हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

दो सौ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गुड्डू आलम गिरफ्तार

अररिया। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं बटालियन के जोगबनी समवाय की ओर से शनिवार की रात दो सौ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया। एसएसबी के एएसआई रंजीत सिंह के नेतृत्व में स्पेशल पेट्रोलिंग टीम ने गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई जोगबनी के कुसुमलाल साह चौक, पीलर संख्या 179/02 के पास की।एसएसबी ने जिस धंधेबाजनको गिरफ्तार किया,वह जोगबनी थाना क्षेत्र के खजुरबाड़ी वार्ड संख्या 10 का रहने वाला 26 वर्षीय मोहम्मद गुड्डू आलम पिता मोहम्मद रज्जाक आलम है।रात में ही एसएसबी ने बरामद ब्राउन शुगर और दो एंड्रॉयड मोबाइल के साथ गिरफ्तार धंधेबाज गुड्डू आलम को जोगबनी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मामले में जोगबनी थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मनिहारी में नाव हादसा, दो बच्ची लापता

कटिहार। जिले के मनिहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत दिलारपुर पंचायत के हटकोला विद्यालय के पास कोसी एवं गंगा नदी के संगम पर रविवार सुबह नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। इसपर 11 व्यक्ति सवार थे। इनमें से 9 व्यक्ति को एसडीआरएफ की मदद से बाहर निकल लिया गया है। शेष दो बच्ची लवली कुमारी पिता मुनि लाल मंडल तथा नेहा कुमारी पिता भीम मंडल समाचार लिखे जाने तक लापता हैं। घटना को लेकर मनिहारी अंचल अधिकारी ने बताया कि दोनों लापता बच्ची दिलारपुर पंचायत के वार्ड संख्या - 6 के निवासी हैं। सभी परवल की खेती एवं पशु चारा के लिए जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन द्वारा एसडीआर टीम एवं स्थानीय गोताखोरों की तैनाती कर लापता बच्चियों की खोज बीन की जा रही है। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, मनिहारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारी मनिहारी एवं मनिहारी थानाध्यक्षआदि पुरे दल बल के साथ मौजूद हैं।

छठ पर्व पर परदेश से लौटने वाले यात्रियो के लिए शुरू की पुलिस बस सेवा

पूर्वी चंपारण। महापर्व छठ के मौके पर मोतिहारी पुलिस ने अनूठी पहल शुरू की है। इस मौके पर छठ पर्व मनाने लौटने वाले प्रवासी यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिला पुलिस ने मार्गरक्षी बस सेवा शुरू की है। एसपी ने शनिवार को अपने कार्यालय परिसर से इन बसो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस मौके पर एसपी ने बताया कि मोतिहारी पुलिस द्वारा डायल-112 की तर्ज पर सुरक्षित एवं सुगम सफर हेतु मार्गरक्षी बस सेवा शुरू की गयी है।उन्होने बताया कि यह सेवा बापूधाम रेलवे स्टेशन और छतौनी बस स्टैण्ड से शहरी क्षेत्र तक शुरू की गई है। जिला पुलिस की यह बस सेवा छठ पर्व तक रात 09:00 बजे से रात्रि 01:00 बजे तथा सुबह के 05:00 बजे से 08:00 बजे तक प्रतिदिन जारी रहेगी,ताकि छठ पर्व मनाने अपने घर लौट रहे प्रवासी लोग अपने घर तक सुरक्षित पहुंचकर उल्लासपूर्व पर्व मना सके।

चित्रांश परिवार ने की भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा

अररिया । अररिया सहित पूरे जिले में चित्रांश परिवार की ओर से भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा अर्चना की गई।अररिया और फारबिसगंज में स्थित चित्रगुप्त मंदिर में कायस्थ समाज के लोगों ने कलम और दवात के साथ परम्परा और वैदिक रीति रिवाजों के साथ पूजा अर्चना की और भगवान चित्रगुप्त महाराज से विश्व कल्याण की कामना की।बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के लोगों ने पूजा अर्चना के साथ हवन कुंड में आहुति दी। फारबिसगंज सुलतान पोखर स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में पुरोहित के रूप में भूपेंद्र झा और मुख्य यजमान के रूप में तरुण कुमार सिन्हा पूजन कार्य में भाग लिया।मौके पर बड़ी संख्या में आरती और हवन कार्यक्रम में भाग लिया।मौके पर वीरेंद्र प्रसाद वीर,प्रो.(डा.) अरविंद कुमार वर्मा,सतीश श्रीवास्तव,माधव लाल कर्ण,अमरेंद्र मल्लिक,अभय कुमार श्रीवास्तव,अनिल सिन्हा,अभय सिन्हा,सत्येंद्र प्रसाद वर्मा,सुशील सिन्हा,चंचल सिन्हा,संदीप सिन्हा,सुनील सिन्हा,वीरेंद्र सिन्हा,योग नारायण लाल दास,आनंद सिन्हा,विजय मल्लिक,विनय सिन्हा,सोनू सिन्हा,अजीत सिन्हा,राजा वर्मा,गोविंद लाल दास,अजीत सिन्हा,जयंत वर्मा आदि लोग मौजूद थे।

युवती का पेड़ से लटकता मिला शव

बेतिया। सोलह वर्ष की लड़की का लाश लीची के पेड़ से लटकता हुआ मिला है। बेतिया पुलिस जिला के बैरिया थाना क्षेत्र के बगही निमिया टोला की घटना बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि लाश का पोस्टमार्टम के लिए बेतिया भेज दिया गया है। आत्महत्या करने के पीछे के कारणो का पता लगाया जा रहा है। बताया जाता है कि बगही रतनपुरा पंचायत के निमिया टोला निवासी राजेश चौधरी की 16 वर्षीय पुत्री चांदनी ने घर के बगल में स्थित बगीचे में लीची के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। लाश को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दी है। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि किशोरी फांसी लगाकर आत्महत्या की है।उन्होंने बताया कि ऐसा बताया जा रहा है कि किशोरी की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। मिली जानकारी के अनुसार रविवार के अहले सुबह में बगही रतनपुरा पंचायत के बगही निमिया टोला निवासी राजेश चौधरी कि 16 वर्षीय पुत्री चांदनी कुमारी का शव पेड़ से लटकता देख लोग हल्ला किया।

नीतीश कुमार के नियुक्ति अभियान से विपक्ष बेचैन : विजय चौधरी

एजेंसी

पटना। संसदीय कार्य मंत्री एवं पूर्व शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आज जदयू कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार चल रहे नियुक्ति अभियान से राजद नेतागण एवं विपक्ष बेचैनी में है। इसे नकारने की हिम्मत नहीं होने के कारण ये लोग अब घुसपैठ कर श्रेय में हिस्सा लेने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। विजय चौधरी ने कहा कि पूरा प्रदेश जानता है कि लोक सेवा आयोग के माध्यम से प्रधानाध्यापक की नियुक्ति का निर्णय एवं नियमावली की अधिसूचना मुख्यमंत्री के परामर्श से मेरे शिक्षा मंत्री रहते अगस्त 2021 में जारी हुई थी। इसके तुरंत बाद ही 6,421 प्रधानाध्यापकों के पद के सृजन एवं नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकला था। अगस्त के प्रथम सप्ताह में ही नतीजे भी आ गए थे। विजय चौधरी ने कहा कि जब महागठबंधन की सरकार ही 10 अगस्त, 2022 को बनी, तो पिछले वर्ष 2021 के निर्णय का श्रेय लेने की कोशिश ही हास्यापद है। सच्चाई यह है कि नीतीश सरकार की उपलब्धियों को विपक्ष नकार नहीं सकता एवं इनकी अपनी कुछ भी उपलब्धि बताने लायक है ही नहीं, तभी इस प्रकार की नकारात्मक बेचैनी है।

मुख्यमंत्री ने चित्रगुप्त मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी जाकर भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की एवं राज्य के विकास, सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की। मुख्यमंत्री का गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी चित्रगुप्त पूजा समिति ने स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पटना सिटी के नौजर घाट, दीवान मुहल्ला स्थित श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर में पूजा-अर्चना की एवं राज्य के विकास, सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पटना की मेयर सीता साहू, पूर्व विधान पार्षद सह गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी प्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष डॉ रणवीर नंदनतथा श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर प्रबंधक समिति के सदस्यगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नवादा में अमन के साथ विकास ही मेरी प्राथमिकता : रवि प्रकाश

एजेंसी

नवादा। नवादा के नव पदस्थापित डीएम रवि प्रकाश ने कहा है कि नवादा में अमन के साथ विकास ही मेरी प्राथमिकता है। वे रविवार को पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे।

नव पदस्थापित डीएम रवि प्रकाश ने कहा कि छठ पर्व के अवसर पर जिले में शांति की बहाली जन सहयोग से की जाएगी ।उन्होंने कहा कि नवादा में अमन के साथ विकास ही मेरी प्राथमिकता है।छठ पूजा के बाद सरकार द्वारा निर्धारित विकास कार्यों को गति प्रदान करना ही उनकी प्राथमिकता होगी।उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के उत्थान के साथही समाज का चहुमुखी विकास चाहती है। जिसे अमली जामा पहनाना मेरी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिले वासियों से अपेक्षा है कि वे जिला प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों की सहायता करें ।ताकि हम जिले का विकास कर पाए ।उन्होंने कहा कि बालू ,दारू सहित विभिन्न प्रकार के गैर कानूनी काम करने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि नागरिक सुरक्षा व विकास मेरी प्राथमिकता है ।लेकिन नागरिकों का कर्तव्य है कि वे मुझे सहायता प्रदान करें ।ताकि मैं विकसित नवादा की ओर अपना कदम बढ़ा सकूं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता चंद्रशेखर आजाद भी उपस्थित थे।

दंगल प्रतियोगिता, हरियाणा के तरुण बने विजेता

एजेंसी

नवादा । गो वर्द्धन मंदिर समिति के अध्यक्ष और पूर्व श्रम राज्य मंत्री राजबल्लभ प्रसाद के सौजन्य से गोवर्द्धन पूजा के अवसर पर रविवार को विराट दंगल प्रतियोगिता का आयोजन नवादा के प्रसिद्द हरिश्चंद्र स्टेडियम के नवनिर्मित कुश्ती अखाड़े में किया गया । इस दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन नवादा एमएलसी अशोक कुमार ने किया ।जबकि निर्णायक की भूमिका में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शारीरिक शिक्षक अलखदेव प्रसाद , प्रो धनराज प्रसाद , शिक्षक रामबिलास प्रसाद और लालकेश्वर राय थे । दंगल प्रतियोगिता का नेतृत्व समिति के सचिव महेंद्र यादव कर रहे थे। जबकि मंच से खेल पर नजर रखने में सुरेन्द्र यादव , नंदकिशोर बाजपेयी , राजेन्द्र यादव , ब्रजेंद्र कुशवाहा शशिभूषण शर्मा आदि ने अहम भूमिका निभाई । सर्वप्रथम अखाडा पूजन जानकी यादव ने किया और पंजीकृत पहलवानों को अखाड़े में उतारा गया । पूर्व की भाँती इस वर्ष भी स्थानीय पहलवानों के अलावे हरियाणा , जम्मू कश्मीर , झारखण्ड और पंजाब जैसे राज्यों के पहलवान भी अखाड़े में जोर आजमाइश किया । जूनियर ग्रुप में कुल 5 राउंड और सीनियर ग्रुप में 4 राउंड की कुश्ती हुई जिसमें लगभग60 पहलवान प्रतिभागियों ने भाग लिया। जूनियर वर्ग में कुल (46) पहलवानों ने भाग लिया जबकि सीनियर ग्रुप में कुल (12) पहलवानों ने दमखम दिखाया ।

छठ पूजा पर विधि-व्यवस्था के लिए कार्यालय का शुभारंभ

एजेंसी

अररिया। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था और छठव्रतियों की सुविधाओं को लेकर फारबिसगंज के शास्त्री चौक स्थित कोठीहाट नहर घाट पर रविवार को छठ पूजा कार्यालय का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर नगर परिषद की मुख्य पार्षद वीणा देवी, कार्यपालक अधिकारी सूयार्नंद सिंह, उप मुख्य पार्षद नूतन भारती,श्रीराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप देव,पार्षद बुलबुल यादव, पार्षद संजय रंजक, श्रीराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष डिंपल चौधरी और नगर परिषद के प्रभारी प्रधान सहायक कुंदन सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। मुख्य पार्षद वीणा देवी, ईओ सूयार्नंद सिंह और उप मुख्य पार्षद नूतन भारती ने संयुक्त बयान में बताया कि छठ पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था और छठव्रतियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद प्रशासन और कोठीहाट छठ पूजा समिति द्वारा इस कार्यालय की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि कार्यालय की स्थापना से पूजा के दौरान प्रशासन की पैनी नजर बनी रहेगी और व्रतियों की हर आवश्यकता को तुरंत पूरा करने में सहूलियत होगी।

गाय-पाहू खेल को लेकर दो परिवारों में झड़प, चार घायल

कोलकाता। इंग्लिश बाजार थाना क्षेत्र के ब्यासपुर गांव में पुरानी परंपरा का पालन करते हुए काली पूजा के अगले दिन गाई-पाहू खेल का आयोजन किया गया था। जिसे लेकर विवाद फैल गया। विवाद के चलते कथित तौर पर एक ही परिवार के चार सदस्यों की धारदार हथियार से हत्या करने की कोशिश का मामला सामने आया है। फिलहाल सभी घायल मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में इलाजरत है। इस घटना से इलाके में भारी तनाव है। इंग्लिश बाजार थाने की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों से क्षेत्र में काली पूजा के अगले दिन गाई-पाहू खेल का आयोजन किया जाता है। कल शाम को भी खेल का आयोजन किया गया था। खेल को लेकर दो पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। गांव के लोगों ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। रात कुछ नहीं हुआ, लेकिन रविवार सुबह एक बार फिर दो परिवारों में विवाद शुरू हो गया। इस दौरान एक परिवार के चार सदस्यों को दूसरे परिवार ने धारदार हथियार से हमला कर दिया।

देशी कट्टा के साथ बाइक सवार युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

एजेंसी

नवादा । जिले में नेमदारगंज थाना की पुलिस ने एक बाइक सवार युवक को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया। गोगन मोड़ के पास से गिरफ्तारी की गई। युवक छोटकी अमांवा गांव का निवासी बताया गया है। इस बावत आर्म्स एक्ट के तहत थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिय गया है। बताया जाता है कि नेमदारगंज थाना की पुलिस गश्ती पर थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे बाइक सवार पर नजर पड़ी। संदेह के आधार पर पुलिस उसे रुकने का इशारा किया। लेकिन, पुलिस वाहन को देखते ही वह बाइक को तेजी से भगाने लगा। पुलिस ने तत्काल पीछा किया और उसे गिरफ्त में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा बरामद हुआ। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान छोटकी अमांवा गांव निवासी मो. क्यूम अंसारी के पुत्र गुलजार अंसारी के रूप में की गयी है। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने यह भी खुलासा किया है कि युवक किसी की हत्या के नियत से पिस्तौल लेकर जा रहा था। अगर पुलिस गिरफ्तार नहीं करती, तो युवक किसी बड़े वारदात को भी अंजाम दे सकता था।

देशी कट्टा और चार जिंदा कारतूस के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

भागलपुर। जिले के कहलगांव अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी दो डॉ अर्जुन कुमार गुप्ता ने रविवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि एकचारी थाना क्षेत्र से एक अपराधी को देशी कट्टा और चार जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी ने बताया कि शनिवार देर रात एकचारी थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि एक कुख्यात अपराधी चंद्रिका मंडल, पिता गरीब मंडल, साकिन-छोटी मोहनपुर थाना एकचारी जिला भागलपुर देशी कट्टा लेकर बड़ी मोहनपुर काली पूजा मेला में घूम रहा है, जो किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। थानाध्यक्ष एकचारी द्वारा प्राप्त सूचना के संदर्भ में वरीय पदाधिकारी को सूचित दिया गया और वरीय पदाधिकारी के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी के लिए टीम के साथ जैसे ही थानाध्यक्ष एकचारी ग्राम बड़ी मोहनपुर पहुंचे तो बड़ी मोहनपुर मेला के तरफ से एक व्यक्ति आ रहा था। वह पुलिस बल को देखकर भागने का प्रयास किया। परन्तु बल के सहयोग से उसे पकड़ लिया गया। पकड़ाये व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम चंद्रिका मंडल पिता गरीब मंडल साकिन-छोटी मोहनपुर थाना एकचारी जिला भागलपुर बताया। पकड़ाये चंद्रिका मंडल का विधिवत तलाशी लिया गया तो उनके दाहिने कमर में लुंगी के अन्दर छुपा कर रखा एक देशी कट्टा बरामद हुआ। जिसका बैरल खोलने पर एक जिन्दा गोली लोड बरामद हुआ और उनके गला में एक काले रंग का बटुआ टंगा हुआ था, जिससे 03 जिन्दा कारतूस, सैमसंग कम्पनी का एक मोबाईल और एक चिलम बरामद हुआ। इस संदर्भ में आर्म्स एक्ट कि धारा के अन्तर्गत एकचारी थाना में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही कि जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त चन्द्रिका मंडल का अपराधिक इतिहास पाया गया है।

महिलाओ ने मैंग्रोव को भाई मान कर किया तिलक

एजेंसी

कोलकाता। भाईदूज का पर्व बंगाल में भाई फोंटा के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनके लिए लंबी और स्वस्थ जिंदगी की कामना करती हैं। इसके बाद भाई अपनी बहनों को उपहार भी देते हैं। इस अवसर पर दक्षिण 24 परगना जिले के तटीय इलाकों में रहने वाली ं ने मैंग्रोव प्लांट को भाई मानकर तिलक लगाया। उनका मानना है कि मैंग्रोव प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भाई की तरह उनकी रक्षा करता है। यह पूरे वर्ष सभी प्राकृतिक खतरों से मूल निवासियों की रक्षा करता है। इसलिए रविवार को भाईदूज के मौके पर महिलाओं एवं युवतियों

ने मैंग्रोव पेड़ पर तिलक लगाकर त्यौहार मनाया। रविवार को कुलतली विधानसभा के गोपालगंज क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में ऐसा देखा गया।

ग्रामीणों के अनुसार, मछलियों के भण्डार बनाने के लिए मैंग्रोव के पेड़ों को काटा जा रहा है। इस वर्ष केवल कुलतली विधानसभा क्षेत्र के आठ से 10 स्थानों पर नदी के किनारे मैंग्रोव को काटकर मछलियों के भण्डार बनाए गए हैं। इससे प्रकृति को बचाने के उद्देश्य से आज गोपालगंज गांव में नैपुकुरिया नदी के किनारे लगे मैंग्रोव पौधों को महिलाओं एवं युवतियों ने सामूहिक रूप से तिलक लगाकर त्यौहार मनाया। इस मौके पर गोपालगंज ग्राम पंचायत की मुखिया बिनता हलदर ने कहा कि जैसे भाई खतरे में बहनों की रक्षा करते हैं, बहनें भाइयों की रक्षा करती हैं, उसी तरह मैंग्रोव विभिन्न समय में भाइयों की तरह हमें प्राकृतिक आपदाओं से बचाते हैं। मैंग्रोव को जीवित रखने के लिए, जब मैंग्रोव के पेड़ काटे जाते हैं जिसका मैं विरोध करती हूं। सुंदरबन के सभी मैंग्रोव पेड़ हमारे भाई हैं। इसलिए भाई फोंटा के दिन हम गांव की महिलाओं ने अपने भाई को तिलक लगाया। आम तौर पर इस दिन विवाहित बहनें या तो अपने ससुराल से तिलक लगाने आती हैं या फिर भाई अपनी बहनों से मिलने जाते हैं। इस दिन भाई और बहन दोनों व्रत रखते हैं और तिलक लगाने के बाद ही भोजन करते हैं। भाई फोटा पश्चिम बंगाल के प्रमुख त्योहारों में से एक है और इसे धूमधाम से मनाया जाता है।

भाई फोटा के उत्सव से जुड़ा धार्मिक महत्व यह है कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को यम की बहन यमी ने यमराज को अपने घर आमंत्रित किया था और उन्हें भोज देकर सम्मानित किया था। इसलिए इसे यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है।

किसानों के मसीहा थे पूर्व विधायक राय हरिशंकर शर्मा: राजीव द्विवेदी

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। पूर्व विधायक राय हरिशंकर शर्मा जात का नही जमात का नेतृत्व करते थे,वे चम्पारण के किसानों के मसीहा थे उक्त बातें जिला विधिक संघ के महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी ने पूर्व विधायक स्व.राय हरिशंकर शर्मा के पुण्यतिथि के अवसर पर भूमिहार ब्राह्मण छात्रवास में श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए कही । उन्होंने कहा कि हरिशंकर शर्मा जी अपनी राजनीतिक जीवन के पूर्व एक अच्छे अधिवक्ता थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राय सुन्दर देव शर्मा ने कहा कि भईया जी अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत व्यवस्था परिवर्तन के लिए की थी,उन्होंने बताया कि भईया जी कृषक संघ का गठन कर जिला से वामपंथ को जड़ से उखाड़ने का महत्ती भूमिका का निर्वहन किये। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता आलोक चन्द्र व धन्यवाद ज्ञापन किसानश्री अजय देव ने की। श्रद्धांजलि सभा को अधिवक्ता प्रियरंजन शर्मा, जिला परिषद सदस्य गुड्डु सिंह, अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह ,राजेश कुमार, राय केशव शर्मा, रामकुमार सिंह ,नीरज शर्मा, राजीव कुमार ,संजय कुमार सिंह,अधिवक्ता पराशर प्रभात, सुधांशु शर्मा, राजेश सिंह ,डॉ धीरज शर्मा ,अंकित कुमार सिंह, अंतेश कुमार चौधरी , विनय कुमार, किसानश्री लल्लन शुक्ला , लोकेश शुक्ला,प्रमोद शर्मा, टुन्नी सिंह, सुरेंदर सिंह,बसंत कुमार आदि ।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बोत्सवाना के निर्वाचित राष्ट्रपति ड्यूमा बोको को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बोत्सवाना के राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने पर ड्यूमा बोको को शुभकामनाएं दी हैं। एक्स पर एक संदेश में प्रधानमंत्री ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के सफल कार्यकाल की आशा व्यक्त की और बोत्सवाना के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, 'बोत्सवाना के राष्ट्रपति के रूप में आपके निर्वाचन पर बधाइयां ड्यूमा बोको। आपके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं।'

दो सड़क हादसों में पिता-पुत्र सहित तीन की मौत

बागपत। बागपत जिले के दो थाना क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी। इसमें टयोड़ी गांव के पिता-पुत्र एवं पटौली निवासी एक छात्र की मृत्यु शामिल है। बिनौली दरकावदा मार्ग पर रविवार दोपहर नीटू अपने बेटे के साथ काम से कहीं जा रहा था,लेकिन रास्ते में उन्हें एक ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी, जबकि नीटू और उसका बेटा संजीव गंभीर रूप से घायल हो गये। जब तक उनके पास सहायता पहुंच पाती, उन्होंने दम तोड़ दिया। दोनों टयोड़ी गांव के रहने वाले थे। एक साथ दो मौत से गांव में मातम छाया हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमर्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। गाड़ी चालक मौके फरार बताया गया है। वहीं शनिवार को पटौली निवासी छात्र विशांत अपने गांव जा रहा था। जैसे ही वह पिलाना पटौली मार्ग पर पहुंचा, उओ अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन देर रात उसकी इलाज के दौरान मौत हो गयी। रविवार को उसथा अंतिम संस्कार कराया गया।

बाईक चोर गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। पुलिस ने बाईक चोरी करने के गिरोह का पदार्फाश करते हुए गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की हुई 1 बाईक व बाईक चुराने के प्रयोग में लायी जाने वाली एक मास्टर-की भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार 26 अक्टूबर को थाना सेक्टर-40 में ग्रीनवुड सिटी नजदीक हुड्डा मार्किट सेक्टर-40 में रहने वाले एक व्यक्ति ने शिकायत देकर कहा था कि 25/26 अक्टूबर की रात को उसके मकान के सामने खड़ी बाईक चोरी कर ली गई। उनकी शिकायत पर थाना सेक्टर-40 में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा डीएलएफ फेज-4 की टीम ने इंचार्ज उप-निरीक्षक विनय के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए चोरी करने की वारदात को अंजाम देने वाले 3 आरोपियों को काबू किया। आरोपियों की पहचान बलविन्द्र, रंजीत सिंह व हरदीप सिंह उर्फ रांझा के रूप में हुई है।

इजराइल का हिज्बुल्लाह के एक और शीर्ष कमांडर फाउर को मार गिराने का दावा

बेरुत। इजराइल ने हिज्बुल्लाह के एक और शीर्ष कमांडर जाफर खादर फाउर की मौत का दावा किया है। सेना ने कहा कि उसने शनिवार को हिज्बुल्लाह के शीर्ष कमांडर फाउर को दक्षिणी लेबनान में मार डाला। सेना के मुताबिक, फाउर इजराइल पर हमलों के लिए जिम्मेदार था। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि करते हुए दावा किया है कि इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के जौइया क्षेत्र में नासिर यूनिट के मिसाइल और रॉकेट इकाई के कमांडर जाफर खादर फाउर को मार गिराया। आईडीएफ के मुताबिक जाफर फाउर इजराइली में हुए रॉकेट हमलों के लिए जिम्मेदार था। इसमें किबुत्ज ओरताल, मजदल शम्स और मेटुला के हमले शामिल हैं। मजदल शम्स में 12 बच्चों की मौत हुई थी और मेटुला में 5 लोगों की जान गई थी।

भोजपुरी सुपरस्टार व सांसद रवि किशन बिग बॉस सीजन 18 में होंगे शामिल

जौनपुर। बिग बॉस सीजन 18 सलमान खान को वीकेंड के वार में भोजपुरी सुपरस्टार गोरखपुर से सांसद रवि किशन रिप्लेस करेंगे। वीकेंड का वार सेगमेंट, हाय दईया, रवि भैया के साथ गर्दा उड़ाएंगे। सांसद रवि किशन के जौनपुर के मिडिया प्रभारी अनुराग दुबे ने बताया कि अभिनेता व सांसद रवि किशन बिग बॉस सीजन 18 में शामिल होंगे। अभिनेता व सांसद के पैतृक गांव केराकत क्षेत्र के बराई बिसुही गांव में व समस्त भोजपुरिया हिन्दी भाषी के लोगों में खुशी का माहौल है। अभिनेता व सांसद रवि किशन का शो में आना ताजगी भरा ट्विस्ट है। हर रविवार रवि भैया के साथ गर्दा उड़ा देंगे सेगमेंट में दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा। रवि किशन बिग बॉस के पहले सीजन में चर्चित कंटेस्टेंट रह चुके हैं। वह उस सीजन के फाइनल तक पहुंचे थे। उनकी मजाकिया बातचीत, दर्शकों से कनेक्ट होने का अंदाज और बेबाकी ने तब भी दर्शकों का दिल जीता था। इतना ही नहीं, रवि किशन पहले भी बिग बॉस ओटीटी सीजन-3 में गेस्ट होस्ट के रूप में नजर आ चुके हैं। रवि किशन के बिग बॉस सीजन 18 में शामिल होने से भोजपुरी भाषी क्षेत्रों में शो को काफी नए दर्शक भी मिलेंगे।

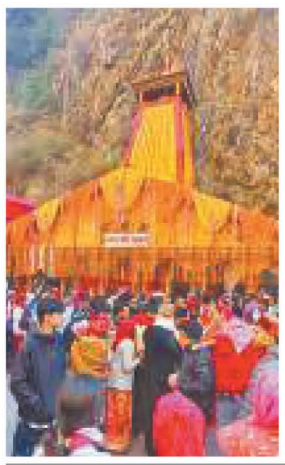

पूजा-अर्चना के बाद यमुनोत्री धाम के कपाट बंद

एजेंसी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के चार धामों में प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट भैयादूज के पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा अर्चना के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। पूरे शीतकाल में मां यमुना की पूजा अर्चना खरसाली स्थित यमुना मंदिर होगी।

- सात लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे यमुनोत्री धाम
- शीतकाल में खरसाली के मंदिर में होगी यमुना की पूजा

रविवार को अपराह्न 12 बजकर 5 मिनट पर मां यमुना जी के कपाट विधिविधान के साथ पूजन करने के बाद बंद कर दिए गए।

उद्गम स्थल स्थित उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध धाम यमुनोत्री के कपाट बंद होने के बाद पुलिस सुरक्षा के साथ यमुनोत्री से पावनी मां यमुना की डोली ढोल-दमाऊ के साथ शनिदेव महाराज की अगुवाई में खरसाली (खुशीमट्ठ) गांव के लिए रवाना हुई। पूरे शीतकाल के दौरान श्रद्धालु मां यमुनाजी के दर्शन व पूजा-अर्चना खरसाली स्थित यमुना मंदिर में कर सकेंगे। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक संजय डोभाल, बृजेश तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र भंडारी, कोतवाली बड़कोट दीपक कठैत, यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश उनियाल, रावल आशीष उनियाल, महावीर सिंह पंवार और अजय रावत सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 7 लाख 11 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने सुरक्षित तरीके से यमुनोत्री धाम पहुंच कर मां यमुना के दर्शन किये।

सरकार का मिशन : यूपी को ऊर्जा सेक्टर में आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी

सोलर और बॉयो एनर्जी की ताकत से दौड़ेगा देश का ग्रोथ इंजन यूपी : योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा और बॉयो एनर्जी पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कई महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का निर्धारण किया है। इन प्रयासों का मुख्य उद्देश्य न केवल प्रदेश में बिजली की मांग को शत प्रतिशत पूरा करना है, बल्कि राज्य को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना भी है। योगी सरकार अगले ढाई से तीन साल में यूपी को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिशन मोड में जुटी हुई है।

हर घर तक सौर ऊर्जा पहुंचाने की योजना

सौर ऊर्जा के मामले में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में योगी सरकार तेजी से काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पीएम सूर्यघर योजना' के तहत योगी सरकार ने अगले ढाई से तीन वर्ष में 25 लाख घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का संकल्प लिया है। अब तक 48 हजार से अधिक घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं और वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत तक और 30 हजार घरों को भी सौर ऊर्जा का लाभ मिल चुका होगा। इसी साल शुरू हुई प्रधानमंत्री मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना में आने वाले वक्त में और भी तेज गति से वृद्धि दर्ज की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य न केवल घरों में ऊर्जा आपूर्ति को सशक्त करना है, बल्कि बिजली बिलों में कमी लाते हुए पर्यावरण संरक्षण को भी प्रोत्साहित करना है।

4800 मेगावाट के सोलर पार्कों का होगा निर्माण

योगी सरकार यूटिलिटी स्केल सौर परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है। इसमें 4800 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्कों का निर्माण भी शामिल है, जिनकी टेंडरिंग प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके अलावा, प्रदेश में सात जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स की स्थापना की योजना भी है, जिसे नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी), टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (टीएचडीसी) और सतलुज जल विद्युत निगम (एसजेवीएन) के साथ मिलकर पूरा किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य 2027 तक राज्य की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 14,000 मेगावाट तक पहुंचाना है।

पॉवर इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही सरकार

प्रदेश में भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए योगी सरकार ने बिजली आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने का निर्णय लिया है। अगले 10 वर्षों के दौरान होने वाले नए उद्योगों की स्थापना को ध्यान में रखते हुए आधुनिक ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने और पुराने संयंत्रों का उन्नयन किए जाने का पूरा खाका योगी सरकार ने पहले ही खींच रखा है। इससे ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति तो सुनिश्चित होगी ही, साथ ही औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। उत्तर प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में योगी सरकार के ये प्रयास प्रदेश की आर्थिक वृद्धि, औद्योगिक विकास, और पर्यावरण संरक्षण में सहायक साबित होंगे। इन योजनाओं से उत्तर प्रदेश न केवल सौर और जैव ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल भी प्रस्तुत करेगा।

कीर्ति नगर फर्नीचर मार्केट के एक बिल्डिंग में लगी आग, दो की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में रविवार तड़के फर्नीचर मार्केट में एक बिल्डिंग में लगी आग की वजह से दम घुटने के कारण दो लोगों की मौत हो गई। मृतक के परिजनों का कहना है कि न हीं मौके पर अब तक फैक्ट्री के मालिक आए हैं और ना ही उन्होंने घटना की जानकारी देकर दुख ही प्रकट किया। इन लोगों को सुबह 8 बजे के करीब किसी और ने जानकारी देकर घटना के बारे में बताया। पुलिस के मुताबिक, आग को बुझा लिया है। दोनों के शवों को बाहर निकाल लिया गया है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। दरअसल, दिल्ली के कीर्ति नगर में बड़ी फर्नीचर मार्केट है, यहां लकड़ी के कई बड़े गोदाम हैं। शनिवार की रात यहां लकड़ी के सामान में भीषण आग लग गई। जिस दौरान कमरे में सो रहे दो लोग बाहर नहीं निकल पाए और कमरे में धुंआ भर जाने से उनका दम घुट गया और उनकी मौत हो गई। इस बिल्डिंग में सोफे के कवर बनाने का काम होता था। हालांकि आग सिर्फ छत पर ही लगी थी।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में भीषण सड़क हादसा

अनियंत्रित स्कॉर्पियो तालाब में पलटी, एक ही परिवार के तीन सहित आठ लोगों की मौत

एजेंसी

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के बुढा बगीचा मुख्य मार्ग पर राजपुर में शनिवार देर रात एक तेज रफ़्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब (डबरी) में पलट गई, जिससे स्कॉर्पियो में सवार आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें से सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि चालक ने आज दम तोड़ दिया। मृतकों में एक ही परिवार के तीन लोग शामिल हैं। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। हादसे की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस के अनुसार स्कार्पियो सवार लोग कुसमी क्षेत्र के लरिमा से सूरजपुर जाने के लिए निकले थे। तभी बीती रात करीब 8.30 बजे बुढा बगीचा मुख्य मार्ग पर राजपुर में स्कार्पियो अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर किनारे स्थित तालाब (डबरी) में पलट गई।

बताया गया कि तालाब झाड़ियों से घिरा हुआ था। उसमें लगभग 10 फीट पानी था। हादसे के बाद स्कॉर्पियो के सभी दरवाजे लॉक हो गए, केवल चालक की तरफ का शीशा खुला था। इस कारण सबसे पहले उसे ग्रामीणों की मदद से किसी तरह बाहर निकाला गया। इस हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि घायल चालक को राजपुर अस्पताल भेजा गया, जहां से आज सुबह अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। स्कॉर्पियो में चालक सहित कुल आठ लोग सवार थे।

सभी मृतक अंबिकापुर के रहने वाले

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी ने बताया कि स्कॉर्पियो में एक शिक्षिका, उनके पति और उनकी बेटी ये तीन सूरजपुर जा रहे थे, बाकी चार उनके पड़ोसी थे। गांव के लोगों का कहना था कि शिक्षिका, उनके पति और बेटी को छोड़ बाकी लोग वापस लौट जाते। चालक बगल के गांव का था। स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 15 डीपी 6255 अंबिकापुर आरटीओ में सितंबर 2019 में रजिस्टर्ड हुई थी। पुलिस तकनीकी खराबी की जांच कर रही है की कहीं गाड़ी में कोई खामी नहीं थी।

सुकमा में नक्सली हमला, दो जवानों को घायल कर राइफलें लूट ले गए

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के जगरगुंडा साप्ताहिक बाजार में ड्यूटी पर तैनात पुलिस के दो जवानों पर नक्सलियों ने धार-धार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल दोनों जवानों को जगरगुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद हेलीकाप्टर से एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए ले जाने की तैयारी की जा रही है। नक्सली दोनों घायल जवानों की राइफलें लूट ले गए। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने घटना की पुष्टि की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह जगरगुंडा में लगने वाले साप्ताहिक बाजार के लिए जवानों की तैनाती की गई थी। इस दौरान नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने दो जवानों कटटम देवा और सोडी कन्ना पर अचानक हमला बोल दिया। जवान जब तक कुछ समझ पाते तब तक नक्सलियों ने जवानों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देकर नक्सली फरार हो गए।

घायल जवानों को सुरक्षा बल जवानों ने तत्काल जगरगुंडा अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों जवानों को एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए भेजा जा रहा है।घायल दोनों जवानों की इंसास राइफलें नक्सली लूट कर ले गए हैं। इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

योगी को जान से मारने की धमकी देने वाली महिला पुलिस हिरासत में

एजेंसी

मुंबई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने वाली महिला को एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की टीम ने ठाणे जिले के उल्हासनगर इलाके में से हिरासत में लिया है। एटीएस की टीम और मुंबई पुलिस महिला से गहन छानबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार योगी आदित्यनाथ को धमकी देने वाली महिला फातिमा खान (24) के पास सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री है, लेकिन वह मानसिक रूप से अस्थिर है। फिर भी महिला से पूछताछ की जा रही है और धमकी देने के कारणों का पता लगाने का प्रयास जारी है।

दरअसल, मुंबई पुलिस के ट्रैफिक कंट्रोल रुम को शनिवार शाम को एक धमकी भरा संदेश मिला, जिसमें कहा गया था कि अगर योगी आदित्यनाथ 10 दिनों के भीतर इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की तरह उन्हें भी मार दिया जाएगा। इसके बाद मुंबई पुलिस ने आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को सतर्क कर दिया। साथ ही इस धमकी की जानकारी उत्तर प्रदेश पुलिस को दी गई। इसके बाद एटीएस ने धमकी देने वाली महिला का पता लगाया और उसे उल्हासनगर से हिरासत में ले लिया। इसके बाद महिला को मुंबई लाकर उससे पूछताछ की जा रही है।

एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने पुष्टि की कि उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। वह पुलिस के सवालों का जिस तरह से जवाब दे रही है, उससे लगता है उसकी मानसिक स्थिति सही नहीं है। इसलिए महिला की मनोवैज्ञानिक स्थिति का आकलन करने के लिए उसके मानसिक स्वास्थ्य की जांच करने की योजना बनाई है। इस संदेश के बाद मुख्यमंत्री योगी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस हिरासत में नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लमिछाने के नाम एक और अरेस्ट वारंट

एजेंसी

काठमांडू। देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लमिछाने के खिलाफ रविवार को एक और अरेस्ट वारंट जारी हुआ है। सहकारी घोटाला में पिछले 15 दिन से पुलिस हिरासत में चल रहे लमिछाने के नाम एक अन्य सहकारी घोटाले में यह अरेस्ट वारंट जारी हुआ है।

सहकारी बैंकों के करोड़ों रुपये को गैर कानूनी ढंग से अपने टीवी चैनल में निवेश करने के आरोप में रवि लामिछाने इस समय पोखरा पुलिस की हिरासत में हैं।उनके खिलाफ सूर्यदर्शन सहकारी बैंक में किए गए घोटाले की जांच चल रही है। बुटवल पुलिस की डीएसपी लक्ष्मी खनाल ने बताया कि सुप्रीम सहकारी बैंक में जमा रकम को गैर कानूनी ढंग से अपचलन करने के कारण रवि लामिछाने के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि यह वारंट रुपदेही जिला अदालत से जारी किया गया है। बुटवल पुलिस ने पोखरा पुलिस को रविवार को पत्र भेजकर रवि लामिछाने को सौंपने का आग्रह किया है।

दरअसल, पिछले महीने 18 अक्टूबर को काठमांडू से गिरफ्तार कर रवि लामिछाने को पोखरा भेजा गया था। जिला अदालत कास्की ने पहले 7 दिन और फिर बाद में 10 दिन की पुलिस रिमांड दी थी। रवि लामिछाने से पूछताछ का काम पूरा हो गया है लेकिन रविवार तक दीपावली की छुट्टी के कारण रवि को कोर्ट के पेश नहीं किया जा सका है। सोमवार को कोर्ट के खुलते ही रवि को अदालत में पेश किया जाएगा।

बांग्लादेश तख्तापलट और भारत के साथ संबंधों की कड़वाहट से बांग्लादेश की हालात खराब

विदेश यात्रा में भारी गिरावट, पर्यटन उद्योग को बड़ा झटका

एजेंसी

ढाका। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश के खराब हालात और भारत के साथ उसके संबंधों की कड़वाहट का वहां के पर्यटन उद्योग पर गहरा असर पड़ा है। वहां की स्थिति को देखते हुए विदेशी पर्यटक आ नहीं रहे हैं, ऊपर से भारत सहित कई देशों ने वीजा नियमों में जो सख्ती की, उसका असर यह हुआ कि विदेशों की यात्रा करने वाले बांग्लादेशी यात्रियों की संख्या अचानक बहुत नीचे आ गई। इससे देश के टूर ऑपरेटर खासे निराश हैं और सरकार से जल्द इसका रास्ता निकालने की अपील कर रहे हैं। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र प्रोथोम आलो ने 123 आउटबाउंड टूर ऑपरेटरों के मंच, बांग्लादेश आउटबाउंड टूर ऑपरेटर्स फोरम के हवाले से बताया है कि टूर ऑपरेटरों का 80 प्रतिशत व्यवसाय विदेश यात्रा करने वाले पर्यटकों से आता है। बांग्लादेशियों के लिए भारत में वीजा पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिससे सबसे करीबी और पर्यटकों में लोकप्रिय भारत जाने वाले यात्रियों की संख्या में अचानक बहुत कमी हो गई। इसके साथ कई अन्य देश बांग्लादेश के राजनीतिक हालात को देखते हुए सख्त वीजा नियमों को जारी रखे हुए हैं। जिससे विमानन और पर्यटन व्यवसाय गिरावट के दौर से जूझ रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश में सरकार बदलने के बाद भारत ने आपातकालीन चिकित्सा वीजा को छोड़कर बांग्लादेश को वीजा जारी करना बंद कर दिया है। जबकि संयुक्त अरब अमीरात भी पर्यटक वीजा जारी नहीं कर रहा है। थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया और फिलीपींस देरी से वीजा जारी करते हैं। इसके अलावा, बदले हालात के कारण व्यवसायियों और आम यात्रियों ने भी विदेश यात्राओं में कटौती की है। जिसके चलते स्थानीय पर्यटकों की विदेशी यात्राओं में 75-80 प्रतिशत की गिरावट आई है।

2024 में कुल 2.20 मिलियन बांग्लादेशियों ने भारत का दौरा किया

बांग्लादेश से भारत पहुंचने वाले पर्यटकों का आंकड़ा देते हुए बताया गया है कि 2019 में बांग्लादेश से रिकॉर्ड 2.58 मिलियन पर्यटक भारत पहुंचे लेकिन कोरोनोवायरस महामारी के कारण इसमें गिरावट आई। साल 2022 में एक बार फिर इसमें वृद्धि शुरू हो गई। भारतीय पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में बांग्लादेश से 1.28 मिलियन पर्यटक भारत पहुंचे और उनमें से 22 प्रतिशत ने हवाई मार्ग का इस्तेमाल किया, जबकि शेष ने सड़क मार्ग से यात्रा की। उन पर्यटकों में से 64.8 प्रतिशत यात्रा के उद्देश्य से, 25.5 प्रतिशत उपचार के लिए और 4.5 प्रतिशत व्यवसाय और नौकरी के उद्देश्य से भारत पहुंचे। 2024 में कुल 2.20 मिलियन बांग्लादेशियों ने भारत का दौरा किया। 2024 के जनवरी-जून में विभिन्न देशों से लगभग 4.78 मिलियन पर्यटकों ने भारत की यात्रा की, जिसमें सबसे अधिक 21.55 प्रतिशत बांग्लादेशी थे।

अधेड़ ने सात साल की मासूम को बनाया हवस का शिकार, गिरफ्तार

एजेंसी

हरिद्वार। एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने सात साल की मासूम को अपनी हवस का शिकार बना डाला। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपित की पहचान इंदिरा विहार कॉलोनी रुड़की कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार निवासी राजेश (50) पुत्र रामेश्वर प्रसाद के रूप में हुई है।आरोपित अपनी मां के साथ पीड़िता के घर के बगल में किराए पर कमरा लेकर रहता था। शनिवार शाम को जब पीड़िता घर के बाहर खेल रही थी, तब आरोपित उसे बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया और दुष्कर्म किया। पीड़िता के रोने की आवाज सुनकर एक पड़ोसी कमरे में पहुंचा और आरोपित को मौके पर पकड़ लिया। जबकि आरोपित मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

संक्षिप्त खबरें

बेन स्टोक्स के घर में चोरी, एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के घर में नकाबपोश चोरों ने चोरी की थी, जिसके बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। स्टोक्स उस समय टीम के साथ पाकिस्तान दौरे पर थे। इस सप्ताह की शुरूआत में, स्टोक्स ने एक्स से बात की और खुलासा किया कि उनके डरहम घर में चोरी हुई थी, जब वह टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान दौरे पर राष्ट्रीय टीम के साथ थे। उन्होंने लोगों से उनकी कीमती वस्तुओं की बरामदगी और चोरों को पकड़ने में मदद करने का भी आग्रह किया। चोरी के समय स्टोक्स की पत्नी क्लेयर और उनके दो बच्चे घर पर थे, जिसके बारे में इंग्लैंड के कप्तान ने कहा कि यह कई नकाबपोश लोगों द्वारा किया गया था और इसने उनके परिवार की भावनात्मक और मानसिक स्थिति पर प्रभाव डाला। स्काई स्पोर्ट्स के अनुसार, चोरी की गई अपूरणीय वस्तुओं में स्टोक्स का ओबीई पदक भी शामिल था, जो उन्हें 2019 में इंग्लैंड की पहली 50 ओवर की विश्व कप जीत और उसके बाद एशेज श्रृंखला में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद 2020 की शुरूआत में दिया गया था। उन्होंने पाकिस्तान में रहने के दौरान अपने परिवार की अच्छी तरह से सहायता करने के लिए पुलिस को भी धन्यवाद दिया। स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, गुरुवार 17 अक्टूबर की शाम को कई नकाबपोश लोगों ने उत्तर पूर्व में कैसल ईडन क्षेत्र में मेरे घर में चोरी की। वे आभूषण, अन्य कीमती सामान और बहुत सारी निजी वस्तुएं लेकर भाग गए। उनमें से कई वस्तुओं का मेरे और मेरे परिवार के लिए वास्तव में भावनात्मक मूल्य है। वे अपूरणीय हैं।

अपने खेल को लेकर गंभीर हैं पृथ्वी शॉ

नई दिल्ली। एक ऐसा खिलाड़ी जिसे एक समय भारतीय क्रिकेट का अगला सचिन तेंदुलकर माना जा रहा था लेकिन आज वह खिलाड़ी टीम से ऐसा बाहर है कि शायद उसे दोबारा वापसी का भी मौका ना मिले। पृथ्वी शॉ पिछले कुछ समय में अपनी क्रिकेट परफॉरमेंस का बजाय अपनी निजी जिन्दगी के चलते ज्यादा चर्चा में रहे हैं। लेकिन अब शायद पृथ्वी एक बार फिर टीम इंडिया में वापसी का मन बना चुके हैं। उनकी फिटनेस को लेकर हालिया घटनाक्रम ने निश्चित रूप से ध्यान खींचा है। त्रिपुरा के खिलाफ रणजी मैच में उन्हें बाहर किए जाने के पीछे उनकी अनुशासनहीनता और फिटनेस को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसके बाद, शॉ ने अपनी मेहनत और जुनून को साबित करने के लिए एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह जिम में पसीना बहाते हुए और बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट है कि वह अपने खेल को लेकर गंभीर हैं और टीम में वापस आने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके वजन को लेकर चर्चा चलती रही है, लेकिन शॉ ने अपने प्रयासों से यह दिखाया है कि वह अपनी फिटनेस को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

एचआईएल : दिल्ली एसजी पाइपर्स में शामिल हुई दो बार की ओलंपिक पदक विजेता लिली ओवस्ले

नई दिल्ली। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सत्र के लिए इंग्लैंड की मिडफील्डर और महिला हॉकी सुपरस्टार लिली ओवस्ले के साथ करार किया है। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने शनिवार को उक्त घोषणा की। लिली ओवस्ले एक बेहद प्रतिष्ठित खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और 2020 टोक्यो में कांस्य पदक जीता है। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं। ओवस्ले महिला टीम से 28 वर्षीय डच मिडफील्डर जान डे वार्ड की जगह लेंगी, जिन्होंने निजी कारणों से एचआईएल के इस सत्र से अपना नाम वापस ले लिया है। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली एसजी पाइपर्स महिला टीम के कोच डेव स्मोलेनर्स ने कहा, जान डे वार्ड, जो निस्संदेह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं, को खोना टीम के लिए एक झटका है। लेकिन 2 बार की ओलंपिक पदक विजेता लिली ओवस्ले को उनकी जगह लेने में सक्षम होना एक बड़ी राहत है। उन्होंने कहा, वह टीम को उसकी क्षमता तक पहुँचने में मदद करने के लिए अपने अनुभव, नेतृत्व और तेज गति के खेल का उपयोग करेंगी।दो बार की ओलंपिक पदक विजेता होने के अलावा, ओवस्ले ने 2022 और 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः स्वर्ण और रजत भी जीता है। उनके पास दो यूरोपीय चैम्पियनशिप पदक भी हैं, 2015 लंदन में स्वर्ण और 2017 एम्सटेलवीन, नीदरलैंड में कांस्य। एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया और एंटरटेनमेंट (एसजीएसई) के सीईओ, महेश भूपति ने ओवस्ले का टीम में स्वागत किया।

भारत को घर में मिली न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप

मुंबई टेस्ट में 25 रन से हारा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई टेस्ट में पहली बार भारतीय टीम को 25 रन से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने आज वो कर दिया जो आज तक इतिहास में कोई भी टीम नहीं कर पाई। भारतीय टीम को अपने घर में क्लीन स्वीप का सामना करना। क्रिकेट इतिहास में पहली बार भारतीय टीम अपनी सरजमीं पर क्लीन स्वीप हो गई। ऋषभ पंत को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज न्यूजीलैंड का सामना नहीं कर पाया। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को रात के स्कोर 171/9 से सिर्फ तीन रन और जोड़कर समाप्त करने के बाद, भारत को जीत सुनिश्चित करने के लिए चौथी पारी में 147 रनों का पीछा करना था। जिसके जवाब में भारतीय टीम सिर्फ 121 रन पर ढेर हो गई। ऋषभ पंत ने तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को शानदार अर्धशतक बनाकर भारत की कुछ उम्मीद राखी लेकिन उनके विवादास्पद विकेट के बाद मैच न्यूजीलैंड की मुट्ठी में चला गया। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। लेकिन रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान के विफल होने के कारण टीम 29/5 पर लड़खड़ा रही थी। पंत ने आक्रामक और सतर्क पारी खेलकर भारतीय उम्मीदों को जिंदा रखा और उन्होंने और रवींद्र जडेजा ने छठे विकेट के लिए 42 रन जोड़े। पटेल न्यूजीलैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे, उन्होंने 6-57 विकेट लिए, जो कि पहले पारी में लिए गए 5-103 विकेटों में शामिल है। इससे वानखेड़े में उनके विकेटों की संख्या 25 हो गई, जिससे वे एक ही मैदान पर 20 या उससे अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र मेहमान स्पिनर बन गए।

रोहित शर्मा ने शुरूआत में मैट हेनरी और एजाज पटेल की गेंदों पर रिवर्स स्वीप करते हुए एक-एक चौका लगाया। लेकिन आक्रमण पर हावी होने की अपनी बेचैनी में, भारतीय कप्तान ने जल्दबाजी में शॉट खेला और मिडविकेट से ग्लेन फिलिप्स द्वारा शानदार कैच लपका गया। रोहित 11 रन बनाकर आउट हो गए और भारत का स्कोर 13/1 हो गया।

डेरिल मिशेल ने डाइव लगाकर कोहली का लपका कैच

हालात तब और खराब हो गए जब पहली पारी में 70 रन बनाने वाले शुभमन गिल (1) पटेल की गेंद पर शॉट लगाने का मौका नहीं दे पाए, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि गेंद टर्न होगी। लेकिन गेंद सीधी गई और स्टंप्स में जा लगी। भारत की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब पटेल की शानदार गेंद पर विराट कोहली आउट हो गए। गेंद टर्न हुई और थोड़ी उछली। डेरिल मिशेल ने आगे डाइव लगाकर शानदार कैच लपका। भारत का स्कोर 18/3 हो गया।जब यशस्वी जायसवाल 16 गेंदों पर 5 रन बनाकर ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए तो स्कोर 28/4 हो गया। मुंबई के युवा ओपनर ने टर्न के लिए शॉट खेला, लेकिन गेंद सीधी चली गई। जायसवाल ने डीआरएस का इस्तेमाल किया, लेकिन अल्ट्रा-एज से पता चला कि गेंद पैड से टकराई थी और बल्ले से नहीं निकली। सरफराज खान ने पटेल की फुल टॉस को मिडविकेट पर रचिन रवींद्र के हाथों में 1 रन के लिए भेज दिया। पंत ने इस टेस्ट की पहली पारी की तरह ही पटेल की गेंद पर जोरदार छक्का लगाया। इसके बाद उन्होंने फिलिप्स की गेंद पर लगातार दो चौके लगाए, पिच पर चलते हुए लॉन्ग-ऑन पर ईश सोढ़ी के पास से गेंद को सीधे पास किया और फिर एक और चौका लगाया। भारत ने 11वें ओवर में 50 रन बनाए।न्यूजीलैंड 12वें ओवर में पंत को मौका दे सकता था, जब बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पटेल की ऑफ के बाहर पिच की गई शॉर्ट गेंद पर पुल किया, गेंद बैक पैड पर जा लगी। केवल पटेल ने हाफ-अपील की और न्यूजीलैंड ने फैसले की समीक्षा नहीं की और जब बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया कि गेंद बल्ले से बच गई थी और लेग स्टंप से टक्कर रही थी, तो वे अपनी किस्मत पर पछता रहे थे। उस समय पंत 21 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। पंत और जडेजा ने छठे विकेट की साझेदारी में 46 रन जोड़कर स्कोर को 70 के पार पहुंचाया। पंत की अगुआई में इस साझेदारी में ऑलराउंडर जडेजा (22 गेंदों पर 6 रन) को विकेट पर टिके रहना था, लेकिन वह ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए और उन्होंने पंत की तरह ही ऑनसाइड से गेंद को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन विल यंग ने फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर बैट-पैड कैच लपककर स्कोर 71/6 कर दिया, जिससे भारत को चार विकेट शेष रहते मैच जीतने के लिए 76 रन और चाहिए थे। डेविड कॉनवे ने वाशिंगटन सुंदर का कैच छोड़ दिया, लेकिन बल्लेबाज ने शॉर्ट डिलीवरी को पुल करने की कोशिश की, लेकिन वह मुश्किल कैच लपकने में असफल रहे।

हाइलो ओपन 2024: मालविका फाइनल में पहुंचीं, आयुष शेट्टी सेमीफाइनल में हारे

एजेंसी

सारब्रुकेन (जर्मनी)। उभरती हुई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने शनिवार को यहां आठवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

छठी वरीयता प्राप्त मालविका ने 44 मिनट तक चले मैच में जैकबसेन को 23-21, 21-18 से हराया। मालविका खिताबी मुकाबले में डेनमार्क की सातवीं वरीयता प्राप्त मिया ब्लिचफेल्ड से भिड़ेंगी। लेकिन गैर वरीयता प्राप्त भारतीय शटलर आयुष शेट्टी के लिए यह निराशाजनक रहा क्योंकि वह पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के चौथे वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव से हारकर बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज शेट्टी ने अच्छी शुरूआत की लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, उनकी लय ढीली होती गई और वे विश्व में 28वें स्थान पर काबिज फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी से 17-21, 13-21 से हार गए। यह दोनों शटलरों के बीच पहली मुलाकात थी जिसमें भारतीय खिलाड़ी दूसरे स्थान पर रहा।

मालविका खिताबी मुकाबले में मिया ब्लिचफेल्ड से भिड़ेंगी

सबालेंका से पहला मैच हारीं झेंग किनवेन

एजेंसी

रियाद। चीन की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने रियाद में चल रहे डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने पहले अभियान की शुरूआत हार के साथ की। किनवेन शनिवार को दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बेलारुस की आर्यना सबालेंका से 6-3, 6-4 से हार गईं। इस बीच, पर्पल ग्रुप के एक अन्य एकल मैच में, इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना को 7-6(5), 6-4 से हराया। झेंग ने इस सीजन में सबालेंका का तीन बार सामना किया है, जिसमें पिछले महीने वुहान ओपन के फाइनल में तीन सेटों के कड़े मुकाबले सहित सभी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। अपने डब्ल्यूटीए फाइनल डेब्यू में आठ प्रभावशाली ऐस सर्व करने के बावजूद, झेंग प्रत्येक सेट में एक बार ब्रेक की गई और अंततः शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से हार गई। मैच के बाद अपने प्रदर्शन पर झेंग ने कहा, मैंने मैच में अपना लगभग 60-70% सर्वश्रेष्ठ दिया, और अभी भी सुधार करने के लिए कुछ विवरण हैं। एक बार जब मैं उन्हें सुधार लूंगी, तो मुझे विश्वास है कि मैं वास्तव में उसे चुनौती दे सकती हूं। ऐसा लगा जैसे मैं चीन में वापस आ गई हूं। उनके समर्थन ने मुझे बहुत ताकत दी। अगले मैचों में झेंग का सामना शेष राउंड-रॉबिन ग्रुप स्टेज मैचों में रयबाकिना और पाओलिनी से होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत ने गंवाई सीरीज

डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर खिसका भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 3-0 से गंवाने के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 चक्र में दूसरे स्थान पर खिसक गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने मुंबई में तीसरे और अंतिम टेस्ट को 25 रन से जीतकर पहली बार भारत को उसकी जमीन पर तीन या अधिक टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज में वाइटवॉश किया।

इस हार के साथ ही, भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में अपना शीर्ष स्थान खो दिया और दूसरे स्थान पर खिसक गया, साथ ही उनका अंक प्रतिशत 58.33 हो गया, जैसे-जैसे बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला नजदीक आ रही है, ऑस्ट्रेलिया अब 62.50 प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान पर है। इस बीच, न्यूजीलैंड ने चौथा स्थान फिर से हासिल कर लिया है, जो उसने इस सप्ताह की शुरूआत में दक्षिण अफ्रीका के हाथों बांग्लादेश को हराने के बाद खो दिया था। उनका अंक प्रतिशत 54.55 प्रतिशत है।

सीनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप आज से

चेन्नई करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। सीनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप का 14वां संस्करण सोमवार को तमिलनाडु के चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में शुरू होने वाला है। 16 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 31 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें आठ पूल में बांटा गया है। लीग चरण के दौरान, प्रत्येक टीम अपने पूल की हर दूसरी टीम के खिलाफ खेलेगी। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीम 13 नवंबर को क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी, उसके बाद 15 नवंबर को सेमीफाइनल और 16 नवंबर को फाइनल और तीसरे/चौथे स्थान के लिए प्ले-ऑफ होगा।

16 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 31 टीमें हिस्सा लेंगी

पूल ए में मौजूदा चैंपियन हॉकी पंजाब के साथ दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी और छत्तीसगढ़ हॉकी शामिल हैं। पूल बी में हॉकी हरियाणा, तेलंगाना हॉकी, हॉकी हिमाचल और हॉकी मिजोरम शामिल हैं।

पूल सी में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु, हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी आंध्र प्रदेश और हॉकी अंडमान और निकोबार शामिल हैं। पूल डी में हॉकी कर्नाटक, हॉकी चंडीगढ़, हॉकी उत्तराखंड और त्रिपुरा हॉकी शामिल हैं। पूल ई में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा का मुकाबला ले पुडुचेरी हॉकी, हॉकी राजस्थान और हॉकी अरुणाचल से होगा।

पूल एफ में उत्तर प्रदेश हॉकी, दिल्ली हॉकी, केरल हॉकी और हॉकी जम्मू और कश्मीर शामिल हैं। पूल जी में हॉकी झारखंड, हॉकी महाराष्ट्र, गोवा हॉकी और हॉकी गुजरात शामिल हैं। पूल एच में मणिपुर हॉकी, हॉकी बंगाल, हॉकी बिहार और असम हॉकी शामिल हैं। टूर्नामेंट की शुरूआत कई मैचों से होगी, जिसमें उत्तर प्रदेश हॉकी बनाम केरल हॉकी और हॉकी कर्नाटक बनाम हॉकी उत्तराखंड जैसे कई रोमांचक मुकाबले शामिल हैं, जो एक रोमांचक चैंपियनशिप के लिए मंच तैयार करते हैं।

चेन्नई एक समृद्ध हॉकी विरासत वाला शहर है

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने आगामी टूर्नामेंट के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम चेन्नई में 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करके बहुत खुश हैं, यह एक समृद्ध हॉकी विरासत वाला शहर है। यह चैंपियनशिप देश भर से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है और भारतीय हॉकी के भविष्य के सितारों को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण आयोजन है। मैं सभी टीमों को शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह चैंपियनशिप उच्च गुणवत्ता वाली हॉकी और गहन प्रतिस्पर्धा का वादा करती है। हमने भागीदारी में जबरदस्त वृद्धि देखी है, और देश के सभी कोनों से उत्साह देखना उत्साहजनक है। मैं कुछ रोमांचक मैचों की प्रतीक्षा कर रहा हूं क्योंकि टीमें प्रतिष्ठित खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं।

व्यापार

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी बाजार की दिशा

एजेंसी

मुंबई। मध्य-पश्चिम में तनाव कम होने, भारत-चीन संबंधों में सुधार की उम्मीद, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के मजबूत निवेश प्रवाह की बदौलत बीते सप्ताह करीब आधे प्रतिशत की तेजी में रहे सेंसेक्स और निफ्टी पर अगले सप्ताह वैश्विक रुख का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 321.83 अंक अर्थात 0.4 प्रतिशत की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 79724.12 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 123.55 अंक यानी 0.51 प्रतिशत उछलकर 24304.35 अंक पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में अधिक लिवाली हुई। इससे मिडकैप 831.6 अंक अर्थात 1.82 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 46284.43 अंक और स्मॉलकैप 3286.94 अंक यानी 6.3 प्रतिशत की छलांग लगाकर 55622.60 अंक हो गया।

विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू बाजार ने बीते सप्ताह त्योहारी सीजन के साथ सकारात्मक बदलाव के शुरूआती संकेत दिखाए। डीआईआई के लगातार जारी निवेश और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से इस तेजी को बल मिला। मध्य-पश्चिम में तनाव कम होने और भारत-चीन संबंधों में सुधार की उम्मीदों से बाजार की धारणा और मजबूत हुई।

इसके अलावा सितंबर के लिए कोर इंफ्रास्ट्रक्चर आउटपुट आंकड़ों में सुधार ने इंफ्रा और कैपिटल गुड्स शेयरों को समर्थन प्रदान किया। हाल ही में तेज सुधार के बाद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सौदेबाजी देखी गई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भी निचले स्तरों पर कुछ खरीददारी हुई।

वहीं, कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के सुस्त नतीजे और संभावित आय कटौती पर चिंताओं के दबाव में मंदी की भावना के कारण बाजार में सुधार अल्पकालिक था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में सरकारी खर्च में सुस्ती रही। हालांकि दूसरी छमाही में तेजी की उम्मीद है लेकिन वर्ष के लिए समग्र विकास मध्यम रहने की संभावना है।

चीन की ओर सामरिक बदलाव के कारण एफआईआई द्वारा आक्रामक बिक्री ने घरेलू बाजार की अपील को प्रभावित किया है, जो पहले से ही कंपनियों की कमजोर आय और प्रीमियम मूल्यांकन से प्रभावित था। एफआईआई के रुख में किसी भी बदलाव के लिए घरेलू कॉर्पोरेट आय में सुधार और उचित मूल्यांकन को हासिल करने की जरूरत होगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.10 प्रतिशत चढ़कर 69.33 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72.94 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

मारुति सुजुकी: नवंबर में भी बिक्री की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद

एजेंसी

नयी दिल्ली । रिकॉर्ड बिक्री वाले अक्टूबर माह के पीछे छूटने के बाद अब देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) नवंबर में कुछ लाख शादियों के बूते अपनी वृद्धि की रफ्तार को कायम रखने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। कंपनी ने पिछले महीने 2,02,402 वाहनों की खुदरा बिक्री दर्ज की, जो किसी भी साल में अक्टूबर में बिक्री का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसकी वजह त्योहारी मांग रही। इससे पहले अक्टूबर, 2020 में कंपनी ने 1,91,476 वाहन बेचे थे।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने पीटीआई-से कहा, हमें बताया गया है कि देशभर में नवंबर में कुछ लाख शादियां होने वाली हैं। इसलिए पूरी उम्मीद है कि इससे हमें अपनी खुदरा बिक्री के मामले में भी अच्छी बढ़त मिलेगी। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या कंपनी अगले कुछ माह के दौरान त्योहारी सीजन की बिक्री की रफ्तार को कायम रख पाएगी।

उन्होंने कहा, हमें वास्तव में देखना होगा। लेकिन हमें लगता है कि इस बार नवंबर के महीने में काफी संख्या में शादियां हैं। शादियों के लिए दिनों की संख्या लगभग 11 या 12 दिन है जो अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। त्योहारी सीजन के दौरान अच्छी बिक्री के बाद मारुति को चालू वित्त वर्ष में चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि के अपने अनुमान के हासिल होने की उम्मीद है। बनर्जी ने कहा, अप्रैल से अक्टूबर की अवधि में खुदरा बिक्री के मामले में हमारी वृद्धि लगभग चार प्रतिशत रही है। अक्टूबर में हमारी वृद्धि 22.4 प्रतिशत है। इस साल की शुरूआत में हमने चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। मेरा मानना है कि हमारी वृद्धि इसी के अनुरूप रहेगी।

लंका विजय के अयोध्या के सरयू नदी में भगवान राम ने माता सीता के साथ सूर्यषष्ठी का व्रत किया था

छठी मईया की कृपा से पांडवों को उनका खोया हुआ राज मिला था वापस

छठ पूजा की पौराणिक कथा

महाभारत काल में हुई थी छठ पर्व की शुरुआत

लोक-आस्था के माहपर्व छठ को हिंदुओं का प्रमुख त्योहार माना जाता है। यह मुख्यतः बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड में मनाया जाता है लेकिन इस पर्व से जुड़ी आस्था और महत्व के कारण अब देश से लेकर विदेशों में भारतीय मूल के लोग इस पर्व को मनाते हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार छठ महापर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत नहाय खाय से होती है जोकि पूरे 4 दिनों तक चलती है। वैसे तो छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से हो जाती है, लेकिन षष्ठी और सप्तमी तिथि पर छठी मैया और सूर्य देव की विशेष उपासना की जाती है।इस साल 28 अक्टूबर यानी आज से छठ पूजा की शुरुआत हो रही है। इस क्रम में पहले दिन नहाय-खाय इसके अगले दिन यानी 29 अक्टूबर को छठ पूजा का खरना होगा। वहीं 30 अक्टूबर को शाम का अर्घ्य और 31 अक्टूबर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। मान्यता है कि छठ व्रत करने से संतान सुखी और दीर्घायु होता है। इसके अलावा मान्यता यह भी है कि छठी मैया निःसंतानों की भी झोली भरती हैं। धार्मिक ग्रंथों और पौराणिक कथाओं के मुताबिक छठी मैया ब्रह्मा जी की मानस पुत्री हैं। ये सूर्य देव की बहन भी मानी जाती हैं। छठ व्रत में षष्ठी मैया की पूजा की जाती है, इसलिए इस व्रत का नाम छठ पड़ा। पौराणिक कथा के अनुसार, ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना करने के लिए खुद को दो भागों में बांटा। जिसमें दाएं भाग में पुरुष और बाएं भाग में प्रकृति का रूप सामने आया। माना जाता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी के एक अंश को देवसेना कहा जाता है। चूंकि प्रकृति का छठा अंश होने की वजह से देवी का एक नाम षष्ठी भी है। जिन्हें छठी मैया के नाम से जानते हैं।

एक पौराणिक लोककथा के अनुसार भगवान राम सूर्यवंशी थे, इसलिए उन्होंने लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को माता सीता के साथ सूर्यषष्ठी का व्रत किया और सप्तमी तिथि पर सूर्योदय के समय पुनः अनुष्ठान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। तब से लेकर आज तक सूर्य साधना का छठ महापर्व चला आ रहा है।

एक कथा के अनुसार पांडव जब अपना सारा राजपाट जुएं में हारकर जंगलों में अज्ञातवास झेल रहे थे, तब द्रौपदी ने इस संकट से मुक्ति पाने के लिए प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्य की कठिन साधना से जुड़ा छठ व्रत किया था। मान्यता है कि छठी मईया की कृपा से पांडवों को अपना खोया हुआ राजपाठ मिल गया था।

एक अन्य मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। सबसे पहले सूर्य पुत्र कर्ण ने सूर्य देव की पूजा शुरू की। कर्ण भगवान सूर्य का परम भक्त था। वह प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देता था। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बना था। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही पद्धति प्रचलित है।

छठ पर्व की पौराणिक कथा के अनुसार, राजा प्रियव्रत और उनकी पत्नी की कोई संतान नहीं थी। इसे लेकर राजा और उसकी पत्नी दोनों हमेशा दुखी रहते थे। संतान प्राप्ति की इच्छा के साथ राजा और उसकी पत्नी महर्षि कश्यप के पास पहुंचे। महर्षि कश्यप ने यज्ञ कराया और इसके फलस्वरूप प्रियव्रत की पत्नी गर्भवती हो गईं लेकिन नौ महीने बाद रानी ने जिस पुत्र को जन्म दिया वह मरा हुआ पैदा हुआ। यह देख प्रियव्रत और रानी अत्यंत दुखी हो गए। संतान शोक के कारण राजा ने पुत्र के साथ ही श्मशान पर स्वयं के प्राण त्यागने व आत्महत्या करने का मन बना लिया। जैसे ही राजा ने स्वयं के प्राण त्यागने की कोशिश की वहां एक देवी प्रकट हुईं, जो कि मानस पुत्री देवसेना थीं। देवी ने राजा से कहा कि वो सृष्टि की मूल प्रवृति के छठे अंश से उत्पन्न हुई हैं। उन्होंने कहा 'मैं षष्ठी देवी हूं'. यदि तुम मेरी पूजा करोगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करोगे तो मैं पुत्र रत्न प्रदान करूंगी। राजा ने देवी षष्ठी की आज्ञा का पालन किया और कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन देवी षष्ठी के लिए पूरे विधि-विधान से व्रत रखकर पूजा की। व्रत-पूजा के प्रभाव और देवी षष्ठी के आशीर्वाद से राजा को पुत्र की प्राप्ति हुई। कहा जाता है कि राजा ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को यह व्रत किया था और इसके बाद से ही छठ पूजन का आरंभ हुआ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929